मंगलवार, 31 दिसम्बर 2024

मौसम

तापमान 25 – 14
आर्द्रता 82%
सूर्योदय: 6:16 सूर्यास्त: 17:03

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, पौष शुक्लपक्ष प्रतिपदा, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : एक-एक पल कीमती है, इसे व्यर्थ बर्बाद न करो।

बुमराह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में -पृष्ठ 8

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II

COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY

JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING

CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com

DIVYANSH JAISWAL

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

संदेशखाली को लेकर फर्जी खबरें फैलाने के लिए भाजपा ने बहुत पैसा खर्च किया : ममता

- व्यापक विरोध प्रदर्शनों के एक साल बाद पहली बार मुख्यमंत्री ने संदेशखाली का किया दौरा
- कहा... 'बंगाल को बदनाम करने के लिए खेला गया था पैसा का खेल'

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं द्वारा जमीन हड़पने और महिलाओं के यौन उत्पीड़न को लेकर इस वर्ष की शुरुआत में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शनों के करीब एक साल बाद सोमवार को पहली बार उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली के दौरे पर पहुंचीं। यहां सरकारी वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए ममता ने भाजपा व माकपा पर जमकर बरसते हुए आरोप लगाया कि संदेशखाली में तृणमूल नेताओं पर लगाए गए आरोप फर्जी थे। ममता ने दावा किया कि भाजपा ने बंगाल को बदनाम करने के लिए संदेशखाली के बारे में फर्जी खबरें फैलाने और विरोध प्रदर्शन को भड़काने के लिए बहुत पैसा खर्च किया। स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि मुझे पता है कि आंदोलन के पीछे एक बड़ा खेल था और पैसे का खेल चल रहा था। बाद में लोगों को एहसास हुआ कि पूरा मामला झूठ था। झूठ ज्यादा दिन नहीं टिकता, सच्चाई आखिरकार सामने आ ही जाती है। ममता ने कहा कि मैं इन चीजों को अब ध्यान में नहीं रखना चाहती। मैं चाहती हूं कि संदेशखली तरक्की करे और स्थानीय लड़कियां और लड़के सफलता हासिल करें। संदेशखली के लोग दुनिया में नंबर वन बनें। यह दंगों की जगह नहीं है। हम शांति चाहते हैं और हम बर्बादी नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर संदेशखली में कुछ भी होता है तो मुझे एक सेकंड में पता चल जाएगा। मैं बंगाल के लोगों का चौकीदार हूं। ममता ने कहा कि भाजपा के पास बहुत पैसा है, लेकिन ये अच्छे स्रोतों से नहीं आया है। उनहोंने लोगों से अपील की कि शरारती लोगों से सावधान रहें भाजपा के झूठ से प्रभावित मत हों। भाजपा का पैसा मत लेना। भाजपा झूठ की पार्टी है। अगर कोई बुलाए तो महिलाओं को नहीं जाना चाहिए। अगर राज्य द्वारा संचालित किसी योजना के लिए पंजीकरण चाहते हैं तो दुआरे सरकार आपके पास आएगी। ये सेवा की सरकार है।

नए साल से पहले संदेशखाली में 113 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन

इस मौके पर, ममता ने लक्ष्मी भंडार, बांग्लार बाड़ी और अन्य सरकारी योजनाओं के तहत क्षेत्र के करीब 100 लाभार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपा। इस दौरान, क्षेत्र के लगभग 20,000 लाभार्थियों के खाते में विभिन्न सरकारी योजनाओं की राशि हस्तांतरित की गई। साथ ही नए साल से पहले ममता ने बांग्लादेश की सीमा के पास बसे इस द्वीप के लोगों के लिए 113 करोड़ रुपये की लागत वाली 66 नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। जिसमें सड़क, बांध, जल उपचार संयंत्र, सामुदायिक भवन आदि शामिल हैं। साथ ही, 11 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास किया। ममता ने इस दौरान कई बड़ी घोषणा भी की। सीएम ने वादा किया कि आने वाले दिनों में यहां नया अनुमंडल बनाया जाएगा, क्योंकि संदेशखाली वालों को दूर जाना पड़ता है। उन्होंने ग्रामीण अस्पताल में बेड की संख्या 30 से बढ़ाकर 60 करने का भी आदेश दिया। ममता ने इस द्वीप क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए झुपखाली में एक सेतु बनाने की भी घोषणा की। विद्याधारी नदी पर भी एक ब्रिज की मांग पर ममता ने कहा कि ये काम भी धीरे-धीरे होगा। मैं चाहती हूं कि संदेशखाली में संदेश और मिठाई की दुकानें भी खुले।

माकपा को बताया पाखंडी व नरकंकाल पार्टी

ममता ने माकपा को भी घेरते हुए पाखंडी पार्टी बताया। माकपा की अगुवाई वाले पूर्ववर्ती वाममोर्चा सरकार के दौरान हुई हत्याओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि जिसके शासनकाल में लोगों पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुआ वह दल बड़ी-बड़ी बातें करता है। माकपा नरकंकाल व अत्याचारी दल है। उसने मेरी हत्या की भी साजिश रची थी।

'सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए किसी को भुगतान नहीं करें'

ममता ने स्थानीय लोगों से यह भी कहा कि वे किसी भी सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए किसी को भी एक पैसे न दें। ये कल्याणकारी योजनाएं सरकार द्वारा चलाए जाते हैं और पैसा राज्य का है। आपको सीधे अपने बैंक खातों के माध्यम से लाभ मिल रहा है। इसे याद रखें। पैसा लोगों का है। यह आपका अधिकार है। उन्होंने स्थानीय महिलाओं से भी आग्रह किया कि अगर कोई उन्हें किसी कारण से बुलाता है तो वे ध्यान न दें। ममता ने कहा कि माताएं-बहनें हमारा गौरव हैं। यदि मां और बहन नहीं है, तो कोई परिवार नहीं है।

इसरो की अंतरिक्ष में ऐतिहासिक छलांग

- 'स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट' : अंतरिक्ष यान सही कक्षा में पहुंचा, एक और उपलब्धि की ओर अग्रसर इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्पेस डॉकिंग क्षमता प्रदर्शित करने में मदद के मकसद वाले दोनों अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक अलग हो गए और उन्हें सोमवार देर रात पृथ्वी के निचले वांछित कक्ष में स्थापित कर दिया गया है। यह प्रोद्यौगिकी भविष्य में अंतरिक्ष अभियान के लिए इसरो की मदद करेगी। अभियान के निदेशक एम जयकुमार ने कहा, ''स्पैडेक्स अंतरिक्ष यान की जहां तक बात है, पीएसएलवी सी-60 अभियान पूरा हुआ।'' इसरो के प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट ने 15 मिनट की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने मिशन नियंत्रण केंद्र से अपने संबोधन में कहा, ''रॉकेट ने दोनों अंतरिक्ष यान को सही कक्ष में स्थापित कर दिया है तथा स्पैडेक्स उपग्रह एक के पीछे एक चले गए हैं तथा समय के साथ यह और अधिक दूरी तय करेगा। यह लगभग 20 किमी दूर तक जाएगा जिसके बाद इन्हें मिलाने और डॉकिंग प्रक्रिया शुरू होगी। हम आशा करते हैं कि डॉकिंग प्रक्रिया अगले एक सप्ताह में पूरी हो जाएगी। उम्मीद है कि सात जनवरी तक प्रक्रिया पूरी हो सकती है।'' उन्होंने बताया कि इस मिशन में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा पीएस4-ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंट मॉड्यूल (पीओईएम-4) है, जिसमें स्टार्टअप्स, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और इसरो केंद्रों से भी 24 पेलोड शामिल हैं। इन्हें सोमवार देर रात 'फायर' किया जा सकता है। इस अभियान को इसरो द्वारा 2035 तक खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने से पहले का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पीएसएलवी सी-60 अभियान के कारण भारत एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा, क्योंकि वह इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को कुछ दिन में हासिल कर लेगा। पीएसएलवी रॉकेट की लंबाई 44.5 मीटर है और इसके जरिये दो अंतरिक्ष यान- स्पेसक्राफ्ट ए (एसडीएक्स01) और स्पेसक्राफ्ट बी (एसडीएक्स02) को भेजा गया, जिसमें प्रत्येक का वजन 220 किलोग्राम है। इससे स्पेस डॉकिंग, सैटेलाइट सर्विसिंग और अंतरग्रहीय मिशनों में मदद मिलेगी।

मुर्शिदाबाद से एक और आंतकी गिरफ्तार

- अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के सदस्य शब शेख का चचेरा भाई है

मुर्शिदाबाद/कोलकाता : असम व बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने रविवार की रात मुर्शिदाबाद से आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के सदस्य शब शेख के चचेरे भाई सजीबुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। जांचकर्ता उससे पूछताछ कर मुर्शिदाबाद और नदिया जिले में आतंकी माड्यूल के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। असम एसटीएफ ने सोमवार को उसे कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड पर लिया। इसके साथ पुलिस ने अन्य दो युवकों को भी हिरासत में लिया है। बताया गया है कि सजीबुल इस्लाम को जिले के नोउदा थाना इलाके के दुर्लभपुर गांव से गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस ने शब को केरल से गिरफ्तार किया था। मूल रूप से बांग्लादेश का रहने वाला शब अक्सर हरिहरपाड़ा स्थित अपने चाचा के घर आता था। एसटीएफ की टीम ने नौदा थाना इलाके के भोला-गंगाधारी से शब शेख से जुड़े होने के आरोप में दो युवकों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने इनमें एक का नाम मुस्तकीम मंडल जबकि दूसरे का नाम नहीं बताया है। अधिकारियों ने कहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों ने एबीटी के संस्थापक जसीमुद्दीन रहमानी के लेखन से प्रभावित होकर युवाओं को भडक़ाने और स्लीपर सेल बनाने का लक्ष्य रखा था। फिलहाल वे शब के लिए रसद की व्यवस्था करने में व्यस्त थे। हाल में असम पुलिस ने मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा से एबीटी के दो सदस्यों मिनारुल शेख और मोहम्मद अब्बास को गिरफ्तार किया है।

देश का विदेशी कर्ज सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली : भारत का विदेशी कर्ज इस साल सितंबर में बढ़कर 711.8 अरब डॉलर हो गया। यह जून, 2024 की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर, 2023 के अंत में, विदेशी कर्ज 637.1 अरब डॉलर था। 'भारत की तिमाही विदेशी ऋण' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर, 2024 में, देश का विदेशी ऋण 711.8 अरब डॉलर था। यह जून, 2024 के मुकाबले 29.6 अरब डॉलर अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर, 2024 में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात 19.4 प्रतिशत था, जो जून, 2024 में 18.8 प्रतिशत था। इसमें कहा गया है, ''सितंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार भारत के विदेशी कर्ज में 53.4 प्रतिशत के साथ अमेरिकी डॉलर में ऋण की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। इसके बाद भारतीय रुपया (31.2 प्रतिशत), जापानी येन (6.6 प्रतिशत), एसडीआर (विशेष आहरण अधिकार) (पांच प्रतिशत) और यूरो (तीन प्रतिशत) का स्थान रहा।'' इसमें कहा गया है कि केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ गैर-सरकारी क्षेत्र का बकाया विदेशी ऋण सितंबर, 2024 के अंत में जून, 2024 की तुलना में बढ़ा है।

नायडू सबसे अमीर मुख्यमंत्री, ममता के पास सबसे कम संपत्ति: एडीआर

नयी दिल्ली : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं।

विवाद से विश्वास योजना: आयकर विभाग ने ब्याज, जुर्माने से छूट की समयसीमा 31 जनवरी तक बढ़ायी

नयी दिल्ली : आयकर विभाग ने सोमवार को विवाद से विश्वास योजना के तहत कर बकाया का निर्धारण करने और ब्याज तथा जुर्माने की छूट के लिए जानकारी दाखिल करने की तारीख 31 जनवरी तक बढ़ा दी। प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना, 2024 के मूल नियमों के अनुसार, 31 दिसंबर, 2024 से पहले घोषणा दाखिल करने वाले करदाताओं को विवादित कर मांग का 100 प्रतिशत भुगतान करना पड़ता। ऐसे मामलों में ब्याज और जुर्माना माफ करने का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में कहा कि विवाद से विश्वास योजना के तहत देय राशि निर्धारित करने की नियत तारीख 31 दिसंबर, 2024 से बढ़ाकर 31 जनवरी, 2025 कर दी गयी है। परिपत्र के अनुसार, एक फरवरी, 2025 या उसके बाद की जाने वाली घोषणाओं पर विवादित कर मांग का 110 प्रतिशत करदाता को भुगतान करना होगा। इस योजना का लाभ वे करदाता उठा सकते हैं जिनके मामले में विवाद है /अपील दायर की गयी हैं। इसमें रिट और विशेष अनुमति याचिकाएं (अपीलें) शामिल हैं। चाहे वे करदाता या कर अधिकारियों की तरफ से दायर की गई हों। इसमें वे मामले शामिल हैं, जो 22 जुलाई, 2024 तक उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण, आयुक्त/संयुक्त आयुक्त (अपील) के समक्ष लंबित हैं।

एनआईए अदालत ने मुस्लिम युवकों को कट्टरपंथी बनाने के बांग्लादेशी आरोपी को सात साल की सजा सुनाई

बेंगलुरु : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक अदालत ने मुस्लिम युवकों को कट्टरपंथी बनाने और आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के आरोप में बांग्लादेश के एक व्यक्ति को सात साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। एनआईए ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि जाहिदुल इस्लाम उर्फ कौसर पर डकैती, साजिश और धन उगाही के साथ-साथ गोला-बारूद की खरीद से जुड़े मामलों में संलिप्तता के लिए 57,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। बयान में कहा गया कि इसके साथ ही इन मामलों में कुल 11 आरोपियों को दोषी ठहराया जा चुका है। एनआईए ने कहा कि वह और उसके साथी बर्दवान में अक्टूबर 2014 के विस्फोट मामले में शामिल थे।

विमानन कंपनियों को एक अप्रैल से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के बारे में साझा करना होगा विवरण

नयी दिल्ली : विमानन कंपनियों को अब अनिवार्य रूप से भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों के साथ विदेशी यात्रियों का विवरण साझा करना होगा। इसका अनुपालन न करने पर जुर्माना लगाया जा सकता है। यह व्यवस्था एक अप्रैल, 2025 से लागू होगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अनुसार, भारत से/भारत के लिए उड़ानें संचालित करने वाले सभी हवाई सेवा प्रदाताओं को आवश्यकता का अनुपालन करने के लिए 10 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय सीमा शुल्क लक्ष्यीकरण केंद्र-यात्री (एनसीटीसी-पैक्स) के साथ पंजीकरण कराना होगा।

अदालत ने ट्रंप के खिलाफ यौन शोषण के मामले में 50 लाख डॉलर हर्जाने का आदेश बरकरार रखा

न्यूयॉर्क : अमेरिका की एक संघीय अपीली अदालत ने सोमवार को दीवानी मामले में जूरी के निष्कर्ष को बरकरार रखा कि नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1996 में डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में एक स्तंभकार का यौन शोषण किया था। द्वितीय अमेरिकी सर्किट अपीली अदालत ने फैसले में स्तंभकार ई. जीन कैरोल के मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहटन के जूरी द्वारा ट्रंप पर लगाए गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के हर्जाने को बरकरार रखा। पत्रिका की स्तंभकार कैरोल ने 2023 के एक मुकदमे में गवाही दी थी कि 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था, जब वे खेल-खेल में स्टोर के ड्रेसिंग रूम में घुस गए थे।

महाकुंभ : श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सकुशल घर वापसी का 'फुल प्रूफ प्लान'

महाकुंभनगर : 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' महाकुंभ में आने वाले 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उन्हें सुगमता से मेले तक पहुंचाने के साथ ही सकुशल घर वापसी का 'फुल प्रूफ़ प्लान' तैयार किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अगले महीने प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ की अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने मजबूत सात चक्रीय सुरक्षा घेरा बनाया है जिसमें प्रयागराज पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रयागराज पुलिस कुम्भ मेला पुलिस के लिए बाहरी घेरे का काम करेगी। उन्होंने बताया कि इस बाहरी घेरे को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए प्रयागराज पुलिस ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अस्थाई पुलिस थाने और चौकियां स्थापित की हैं। इसके अलावा पीएसी, एनडीआरएफ, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, बीडीडीएस, एएस चेक टीम मुस्तैदी से तैनात रहेंगी। कुम्भ मेले के दौरान मेला क्षेत्र के अलावा शहर और ग्रामीण क्षेत्रो के लिए पुलिस फ़ोर्स रिज़र्व में भी रहेंगी। सूत्रों ने बताया कि प्रयागराज पुलिस आयुक्तालय में अब 44 नहीं बल्कि 57 थाने होंगे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, हवाई अड्डे और अन्य मार्गो से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित मेला क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने नए अस्थाई थाने और चौकियां स्थापित की हैं। प्रयागराज के पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने बताया कि 13 अस्थाई पुलिस थाने और 23 चौकियां स्थापित की जा रही हैं। साथ ही अर्द्धसैनिक बल, पीएसी, बम निरोधक दस्ता और अन्य बल भी तैनात रहेंगे। आयुक्तालय क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 10 हज़ार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है।

जागरूकता व सख्त कानूनों में समाधान

देश में साइबर अपराधों में लगातार आ रही तेजी सरकार और आम जनता की चिंता का सबब बनी हुई है। हालांकि सरकार के नियामक संगठन और खुफिया एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं लेकिन अपराधी अपराध के नये-नये तौर-तरीकों से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में लगे हैं। यद्यपि, यह संकट विश्वव्यापी है, लेकिन देश में डिजिटलीकरण के प्रयासों के बाद इन अपराधों में तेजी आई है। इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर के इस माह के शुरुआत में आए आंकड़ों में बताया गया कि इस साल सितंबर तक देश में साइबर धोखाधड़ी से 11,333 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस दौरान स्टॉक ट्रेडिंग घोटालों में सर्वाधिक सवा दो लाख शिकायतें आईं और करीब साढ़े चार हजार करोड़ का नुकसान बताया गया। यह बताता है कि देश में साइबर अपराध का जाल कितना दायरा बढ़ा चुका है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय की साइबर अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश में नवंबर तक साइबर धोखाधड़ी की बारह लाख शिकायतें आईं, जिनमें से 45 फीसदी मामलों को म्यांमार, लाओस व कंबोडिया आदि से अंजाम दिया गया। इस तरह ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं में साइबर सेंधमारा का मकड़जाल लगातार उपभोक्ताओं की मुसीबतों का सबब बन रहा है। मोबाइल स्पाइवेयर भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं, जो उपभोक्ताओं की आवश्यक गुप्त रूप से जानकारियां चुरा लेते हैं। जिसके सहारे वित्तीय फ्रॉड को अंजाम दिया जाता है।

हाल के दिनों में साइबर अपराधों में नया तरीका डिजिटल अरेस्ट जुड़ गया है, जिसके जरिये देश की वित्तीय नियामक एजेंसियों व पुलिस के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साइबर हमलों के अलावा ऑनलाइन फ्रॉड और सेक्सटार्शन के मामले भी सामने आ रहे हैं। साथ ही डाटा चोरी, रैनसमवेयर, ऑनलाइन घृणा फैलाने, साइबर बुलिंग तथा नागरिक सेवाओं व अस्पतालों पर हमले के मामले सामने आते रहते हैं। इसमें शत्रु देशों की तरफ से देश की अर्थव्यवस्था व आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी शामिल होती है। विडंबना यह है कि देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये अलग से कड़ा कानून नहीं है। दूसरी ओर आईटी एक्ट में संशोधन कर लाए गए प्रावधान इन साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। साइबर अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए साइबर को-ऑर्डिनेशन सेंटर को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने की जरूरत है, जिसने पिछले दिनों दक्षिण पूर्व एशिया से सक्रिय साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में पहल की थी। निस्संदेह, इस संकट के मुकाबले के लिये जहां सरकारों को सख्त कानून बनाने की जरूरत है, वहीं नागरिकों को इन अपराधों से बचने के लिये जागरूक करने की जरूरत है। जिसमें केंद्र व राज्य स्तर पर साइबर नियंत्रक पुलिस बल की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल: प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की एक बार फिर जीत

वर्ष 2024 के चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक तीसरी जीत ने न केवल उनकी व्यक्तिगत विरासत को मजबूत किया है, बल्कि भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रभुत्व को भी दर्शाया है। इससे यह पता चलता है कि आज जहां प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए स्थिरता के प्रतीक बन गए हैं, वहीं भाजपा सुशासन का पर्याय बन कर उभरी है।

वर्ष 2024 के दौरान, वैश्विक स्तर पर प्रमुख लोकतंत्रों में एक ऐसी सत्ता विरोधी लहर चली, जिसमें सत्तारूढ़ दलों को जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त राज्य अमेरिका में, डेमोक्रेट्स ने कांग्रेस के दोनों सदनों की अध्यक्षता और नियंत्रण गवां दिया। यूनाइटेड किंगडम ने कंजरवेटिव पार्टी (टोरीज) को निर्णायक रूप से सत्ता से बाहर होते देखा। इसी तरह, फ्रांस, दक्षिण कोरिया और पोलैंड में भी सत्तारूढ़ दल सत्ता से बेदखल हो गए। इस वैश्विक रूझान के उलट, भारत में नरेन्द्र मोदी ने न केवल सत्ता बनाए रखी बल्कि ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल भी हासिल किया। वर्ष 2014 और 2019 में उनकी स्पष्ट जीत के बाद, भारतीय मतदाताओं ने एक बार फिर मोदी के पक्ष में एक मजबूत जनादेश दिया जो अंतरराष्ट्रीय सत्ता विरोधी लहर की दृष्टि से एक उल्लेखनीय अपवाद था।

वर्ष 2024 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की कुछ सबसे बड़ी जीतों का साक्षी बना। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक तीसरा कार्यकाल हासिल किया। भारत के राजनैतिक इतिहास में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि 1962 के बाद से किसी अन्य नेता ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल नहीं की है।

एक अस्थिर दुनिया में स्थिर नेतृत्व

वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत राजनीतिक स्थिरता का प्रतीक बन गया है। मोदी एक दशक से अधिक समय से सत्ता में बने हुए हैं। यह निरंतरता उल्लेखनीय है, खासकर उस अवधि के दौरान जब दुनिया के अन्य लोकतंत्र राजनीतिक उथल-पुथल से जूझ रहे हैं।

मोदी के कार्यकाल की विशेषता एक ऐसी सामंजस्यपूर्ण सरकार रही है जिसने आर्थिक, सामाजिक और विदेश नीति से जुड़ी उन दूरगामी पहलों को लागू किया है, जिससे भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने में मदद मिली है।

इसके उलट, संयुक्त राज्य अमेरिका कई नाटकीय राजनीतिक बदलावों का साक्षी बना है। वर्ष 2017 तक बराक ओबामा के राष्ट्रपति रहने के बाद, सत्ता की कमान डोनाल्ड ट्रम्प के हाथों में आई। ट्रम्प ने बिल्कुल अलग प्रकार की नीतियां और अपेक्षाकृत अधिक अलगाववादी रुख अपनाया। वर्ष 2021 में, जो बाइडेन ने बहुपक्षवाद और घरेलू निवेश पर जोर देते हुए ट्रम्प की कई प्रमुख नीतियों को उलट दिया। डोनाल्ड ट्रम्प की सत्ता में वापसी ने शासन में एक और बदलाव ला दिया है, जो गहरे पक्षपातपूर्ण विभाजन एवं नीतिगत अस्थिरता का परिचायक है।

यूनाइटेड किंगडम ने 2014 से उल्लेखनीय रूप से राजनीतिक अस्थिरता का सामना किया है। कंजरवेटिव पार्टी पार्टी के अधीन, नेतृत्व बार-बार बदलता रहा। ब्रेक्सिट के मुद्दे पर जनमत संग्रह के बाद डेविड कैमरन ने इस्तीफा दे दिया और उनकी जगह आईं थेरेसा मे ने भी इस्तीफा दे दिया। थेरेसा मे ब्रेक्सिट वार्ता से संबंधित परेशानियों से जूझ रही थीं। इसके बाद बोरिस जॉनसन ने सत्ता संभाली। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान नेतृत्व किया, लेकिन अंततः घोटालों के बीच इस्तीफा दे दिया। लिज ट्रस के संक्षिप्त एवं उथल-पुथल भरे कार्यकाल के बाद ऋषि सुनक आए। उन्होंने अर्थव्यवस्था और पार्टी में स्थिरता लाने का प्रयास किया। हाल ही में, लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर प्रधानमंत्री बने हैं जिससे शासन में बदलाव आया है। हालांकि चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिनमें पार्टी के भीतर आंतरिक असहमति और राजनीतिक संघर्ष से आशंकित मतदाता शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने भी नेतृत्व में तेजी से बदलाव होते देखा है, जो इसकी ऐतिहासिक रूप से अस्थिर राजनीतिक संस्कृति को दर्शाता है। वर्ष 2014 में टोनी एबॉट से शुरू करके, प्रधानमंत्री का पद मैल्कम टर्नबुल और फिर स्कॉट मॉरिसन से होते हुए अब एंथोनी अल्बानीज के जिम्मे आया है। प्रत्येक बदलाव के साथ प्राथमिकताएं भी बदली हैं। अपने पूर्ववर्तियों के अधिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण के बाद, अल्बानीज़ ने जलवायु कार्रवाई और सामाजिक नीतियों पर ध्यान केन्द्रित किया है।

इटली का राजनीतिक परिदृश्य भी उतना ही हलचल भर रहा है। वहां एक के बाद एक सरकारें अक्सर अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही गिर गईं। माटेओ रेन्ज़ी के सुधार-प्रेरित कार्यकाल के बाद पाओलो जेंटिलोनी आए। उसके बाद ग्यूसेप कोंटे की गठबंधन सरकार आई और फिर तकनीक की ओर झुकाव रखने वाला मारियो ड्रैगी का नेतृत्व आया। और अब जियोर्जिया मेलोनी, इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। मेलोनी की ऐतिहासिक जीत के बावजूद, इटली राजनीतिक विखंडन और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा

है। पाकिस्तान, विशेष रूप से, राजनीतिक अस्थिरता का एक स्पष्ट उदाहरण है। वहां अक्सर भ्रष्टाचार और चुनावी धोखाधड़ी के आरोपों के बीच बार-बार नेतृत्व परिवर्तन होते रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद से, देश ने नवाज शरीफ से लेकर शाहिद खाकन अब्बासी, उसके बाद इमरान खान और अब शहबाज शरीफ तक का बदलाव देखा है। प्रत्येक नेता का कार्यकाल अपने पूर्ववर्तियों के साथ विवादास्पद संबंधों के कारण चर्चित रहा है, जिसकी परिणति अक्सर कानूनी लड़ाई और कारावास में हुई है। इस अस्थिर राजनीतिक माहौल ने टिकाऊ शासन एवं आर्थिक प्रगति हासिल करने की पाकिस्तान की क्षमता को कुंद कर दिया है।

इज़राइल ने विशेष रूप से अपनी खंडित गठबंधन प्रणाली के कारण व्यापक राजनीतिक उथल-पुथल का अनुभव किया है। वर्ष 2014 के बाद से, देश ने बेंजामिन नेतन्याहू को नेफ्ताली बेनेट के हाथों सत्ता गंवाते देखा है। इसके बाद येर लापिड का संक्षिप्त कार्यकाल रहा। लापिड के बाद नेतन्याहू प्रधानमंत्री के रूप में एक फिर वापस लौटे।

वर्ष 2014 के बाद से, इज़राइल में देश की संसद, नेसेट के लिए छह राष्ट्रीय चुनाव कराए गए हैं। ये चुनाव 2015, अप्रैल 2019, सितंबर 2019, 2020, 2021 और 2022 में हुए।

जापान जहां अपेक्षाकृत अधिक राजनीतिक स्थिरता के लिए जाना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में हुए नेतृत्व परिवर्तनों ने लोगों को हैरान किया है। शिंजो आबे, जिन्होंने 2020 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, ने स्वास्थ्य कारणों से अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह योशीहिदे सुगा ने ली, जिन्होंने केवल एक साल के बाद ही पद छोड़ दिया और फुमियो किशिदा घनघोर अनिश्चितता के बीच केवल तीन वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे और अब शिगेरु इशिबा ने उनकी जगह ली है।

वर्ष 2014 के बाद से, ब्राज़ील को आर्थिक संकट, भ्रष्टाचार घोटालों और ध्रुवीकृत चुनावों से प्रेरित राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है। वर्ष 2016 में डिल्मा रूसेफ पर महाभियोग लगाया गया, जिससे मिशेल टेमर के लिए रास्ता साफ हुआ। मिशेल टेमर का कार्यकाल काफी विवादास्पद रहा। इसके बाद जेयर बोल्सोनारो धुर दक्षिणपंथी लोकलुभावन रुख अपनाते हुए सत्ता में आए। हाल ही में, लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ध्रुवीकरण वाले चुनाव के बाद सत्ता में लौटे हैं।

दक्षिण कोरिया में, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच पार्क ग्यून-हे के विरूद्ध 2017 में महाभियोग लगाया गया। उनके उत्तराधिकारी, मून जे-इन, आर्थिक चुनौतियों और राजनयिक तनावों से जूझते रहे। यून सुक-योल वर्तमान राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने हाल ही में मार्शल लॉ लागू करने का असफल प्रयास किया और दक्षिण कोरिया की संसद द्वारा उनके विरुद्ध महाभियोग चलाने की प्रक्रिया चल रही है।

वर्ष 2014 के बाद से अर्जेंटीना में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिले हैं, जिसमें नेतृत्व क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किरचनर से मौरिसियो मैक्री और उसके बाद अल्बर्टो फर्नांडीज तथा अब जेवियर माइली के हाथों में पहुंचा है। प्रत्येक नेता ने स्पष्ट रूप से अलग-अलग आर्थिक और सामाजिक नीतियों को अपनाया है, जो अनिश्चितता भरे माहौल और राजनीतिक समीकरणों में बार-बार बदलाव को जन्म दे रहा है।

भारतीय आम चुनाव 2024 को क्यों ऐतिहासिक है?

* वर्ष 2024 के चुनाव ने भारत को एक ऐसे सुदृढ़ लोकतंत्र के रूप में प्रदर्शित किया है, जिसमें मतदाताओं की मजबूत सहभागिता और नागरिकों के उत्कृष्ट आचरण का समावेश रहा है।

* ईवीएम पर लगाये गए स्वार्थ-प्रेरित लांछनों और भीषण गर्मी के बावजूद, लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान करके काफी उत्साह दिखाया। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, सभी उम्र के लोगों और जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने बड़े उत्साह के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिया है।

* कश्मीर में 1996 के बाद से पिछले तीन दशकों में पहली बार सबसे अधिक 38 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान में भागीदारी दर्ज कराई।

* भारतीय राजनीति में अधिक समावेशिता देखी गई क्योंकि अधिक संख्या में महिलाओं ने चुनाव लड़ा और जीता, जिससे लैंगिक प्रतिनिधित्व बेहतर हुआ। युवाओं की भागीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे देश के राजनीतिक परिदृश्य में नए दृष्टिकोण का समावेश हुआ।

* 2024 के चुनावों ने भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता को प्रदर्शित किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे नागरिक अपनी प्राथमिकताओं एवं अपने नेताओं से अपेक्षाओं को लेकर तेजी से जागरूक हो रहे हैं। लोग 2047 तक विकसित भारत बनाने के सपने के पीछे मजबूती से खड़े रहे।

* पहली बार अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के सबसे बड़े समूह ने इस वर्ष भारत के आम चुनावों का प्रत्यक्ष अनुभव किया। उन्होंने जो देखा उससे वे प्रभावित हुए। कुछ लोगों ने प्रक्रिया की पारदर्शिता की प्रशंसा की, जबकि अन्य ने चुनाव आयोग की हरित मतदान केन्द्रों जैसी पहल को वास्तव में प्रेरणादायक पाया। ईवीएम-वीवीपीएटी के प्रतिचयन (रैंडमाईजेशन) जैसी प्रौद्योगिकी के उपयोग को भी काफी सराहना मिली।

* यह जनादेश विकास, विविधता और निर्णयशीलता के पक्ष में था। जनता ने छल, कपट और विभाजन की राजनीति को सिरे से नकार दिया।

* भारत ने दर्शाया कि वह एक परिपक्व लोकतंत्र है और प्रधानमंत्री मोदी को उन चुनिंदा वैश्विक नेताओं के समूह में रखा जिन्होंने सफलतापूर्वक लगातार तीन कार्यकाल हासिल किए हैं।

इसके अलावा, 2024 में राज्य-स्तरीय सफलताओं से यह भी पता चलता है कि वे 2014 में शुरू हुए भारत के राजनीतिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भाजपा ने अपने प्रभाव का विस्तार किया है। इससे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में सामंजस्यपूर्ण शासन आया है। ये सभी ऐसे क्षेत्र हैं जहां अतीत में भाजपा को अपनी पकड़ बनाने के लिए जूझना पड़ा था।

आइए, वर्ष 2024 में भाजपा की कुछ निर्णायक जीतों और इन्हें असाधारण बनाने वाले पहलुओं पर एक नजर डालें:

भगवान जगन्नाथ के ओडिशा में भगवा

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भाजपा ने ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजेडी) को हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की। ओडिशा के इतिहास में पहली बार, बीजेडी ने लोकसभा चुनावों में अपना प्रभुत्व खो दिया है, भाजपा की सीटें केवल एक से बढ़कर छह हो गई हैं। यह 2019 की तुलना में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जहां बीजेडी ने 12 सीटें और भाजपा ने 8 सीटें जीती थीं। लोकसभा चुनावों में अपनी सफलता के अलावा, भाजपा ने ओडिशा विधानसभा चुनावों में भी महत्वपूर्ण प्रगति की। पार्टी ने 14 सीटें जीतीं और 66 अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे रही।

आंध्र प्रदेश ने निर्णायक रूप से एनडीए को चुना

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में, आंध्र प्रदेश की मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक पहचान के बावजूद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने महत्वपूर्ण प्रगति की और 25 संसदीय क्षेत्रों में से 20 पर बढ़त हासिल की। यह उल्लेखनीय उपलब्धि एनडीए के दृष्टिकोण एवं नीतियों के प्रति बढ़ते समर्थन को दर्शाती है। इस सफलता में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बुनियादी ढांचे के विकास, आर्थिक सुधार और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर उनका ध्यान राज्य के मतदाताओं को पसंद आया।

हरियाणा भाजपा के लिए सुखद आश्चर्य

वर्ष 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे भारतीय जनता पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुए। पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से लगातार तीसरी कार्यकाल हासिल किया। भाजपा यह हैट्रिक हासिल करने वाली हरियाणा की पहली राजनीतिक पार्टी बन गई है, जो राज्य में उसके बढ़ते प्रभाव और पकड़ का प्रमाण है।

कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कड़े विरोध के बावजूद, भाजपा 48 सीटें हासिल करके सीधे मुकाबले में कांग्रेस को प्रभावी ढंग से हराने में कामयाब रही। अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, विपक्ष पैमाने और गति के मामले में भाजपा की बराबरी नहीं कर सका।

महाराष्ट्र की प्रचंड जीत ने विपक्षी एजेंडे को समाप्त कर दिया

एक ऐतिहासिक जीत के रूप में, भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र में अपना लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल किया। यह पहली बार है कि किसी नेता ने राज्य में इस तरह की जीत दिलाई है। भाजपा ने राकांपा सहित अपने सहयोगियों के साथ 131 से अधिक सीटें जीतीं, जबकि विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सिर्फ 51 सीटों पर सिमटकर रह गई। सत्तारूढ़ गठबंधन ने 230 से अधिक सीटों पर बढ़त हासिल की, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है। कुल 288 में से 132 सीटों के साथ, भाजपा ने 45 प्रतिशत सीटें हासिल करते हुए राज्य में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह जीत महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी द्वारा सीटों के मामले में सबसे बड़ी उपलब्धि का प्रतीक है। इसने भाजपा के प्रभुत्व को मजबूत किया और राज्य में विपक्ष के एजेंडे को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया।

इथियोपिया में ट्रक के नदी में गिरने से 66 लोगों की मौत

अदीस अबाबा : इथियोपिया में एक ट्रक के नदी में गिर जाने से कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। एक अस्पताल के निदेशक ने सोमवार को यह जानकारी दी। निदेशक ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार को उस दौरान हुई जब एक पुराना ट्रक एक पुल से नीचे गिर गया। ट्रक में सवार लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि इस जगह पर पहले भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बोना जनरल अस्पताल के चिकित्सा निदेशक लेम्मा लैगाइड ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' को सोमवार को बताया कि घटनास्थल पर ही 64 लोगों की मौत हो गई थी तथा दो लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि जिन मरीजों को गहन देखभाल की जरूरत थी, उन्हें एक बड़े अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह घटना दूरदराज के गांव में हुई, इसलिए राहत एवं बचाव अभियान में देरी हुई जिसके कारण बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई।

दक्षिण कोरिया में भीषण विमान हादसे के कारण का पता लगा रहे अधिकारी

सियोल : दक्षिण कोरिया में अधिकारी इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि रविवार को हुए भीषण विमान हादसे का कारण क्या था, जिसमें 179 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने कहा कि वे देश की विमानन कंपनियों द्वारा संचालित सभी बोइंग 737-800 विमानों की सुरक्षा जांच करेंगे। रविवार का हादसा बीते कई दशकों में हुए विमान हादसों में सबसे भीषण था। इसने पूरे देश को झकझोरकर रख दिया है और लोग गहरे सदमे में हैं। कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि दक्षिण कोरिया की सरकार कैसे प्रभावी तरीके से रविवार की घटना के बाद की स्थिति से निपटेगी, क्योंकि देश राष्ट्रपति यून सुक येओल और प्रधानमंत्री हान डक-सू के खिलाफ हाल में महाभियोग चलाने के प्रस्ताव की वजह से नेतृत्व के संकट से जूझ रहा है। इस महीने की शुरुआत में अल्पकालिक 'मार्शल लॉ' लागू किए जाने के कारण पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बाद राष्ट्रपति यून और प्रधानमंत्री हान महाभियोग का सामना कर रहे हैं। नए कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने सोमवार को विमान दुर्घटना पर कार्यबल की बैठक की अध्यक्षता की और परिवहन मंत्रालय एवं पुलिस को दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंत्रालय को देश की समग्र विमान संचालन प्रणालियों की आपातकालीन समीक्षा व्यवस्था लागू करने का भी आदेश दिया। चोई उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा, "एक जिम्मेदार प्रतिक्रिया के तहत समग्र रूप से विमानन सुरक्षा प्रणालियों का नवीनीकरण करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोका जा सके और एक सुरक्षित दक्षिण कोरिया गणराज्य का निर्माण किया जा सके।" किफायती हवाई सफर की सुविधा देने वाली दक्षिण कोरियाई विमानन कंपनी 'जेजू एयर' द्वारा संचालित बोइंग 737-800 विमान का जमीन पर उतरने का पहला प्रयास विफल रहा था।

नए साल के पहले दिन दुनिया की आबादी 8.09 अरब होगी

न्यूयॉर्क : नए साल के पहले दिन विश्व की जनसंख्या 8.09 अरब हो जाएगी और 2024 में दुनिया की आबादी में 7.1 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गयी। यह जानकारी सोमवार को जारी अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुमानों से मिली। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में वैश्विक आबादी में हुई वृद्धि 2023 की तुलना में थोड़ी कम है, जब दुनिया की आबादी में 7.5 करोड़ की वृद्धि हुई थी। अनुमानों के अनुसार, जनवरी 2025 में दुनिया भर में प्रति सेकंड 4.2 जन्म और 2.0 मौत होने का अनुमान है। जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2024 में अमेरिका की आबादी में 26 लाख की वृद्धि हुयी और नए साल के पहले दिन अमेरिका की आबादी 34.1 करोड़ होगी। जनगणना ब्यूरो के अनुसार, 2020 के दशक में अब तक, अमेरिकी आबादी में लगभग 97 लाख की वृद्धि हुई है।

नेतन्याहू की प्रोस्टेट सर्जरी सफल रही : अस्पताल

तेल अवीव : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की रविवार को प्रोस्टेट की सर्जरी सफल रही जिसे सफलतापूर्वक हटा दिया गया। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नेतन्याहू की यह सर्जरी ऐसे वक्त में हुई है जब वह गाजा में युद्ध और भ्रष्टाचार के आरोपों में अपने खिलाफ सुनवाई सहित कई संकटों का सामना कर रहे हैं। हाल के समय में नेतन्याहू ने स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना किया और हालांकि सत्ता में अपने 17 साल के कार्यकाल में उन्होंने एक स्वस्थ एवं ऊर्जावान नेता के तौर पर अपनी सार्वजनिक छवि बनाए रखने का भरपूर प्रयास किया। नेतन्याहू (75), अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन (82), नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (78), ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा (79) और पोप फ्रांसिस (88) सहित दुनिया के उन बुजुर्ग नेताओं में शामिल हैं, जो अपनी उम्र और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के कारण चर्चा में रहे हैं। नेतन्याहू की स्वास्थ्य संबंधी मौजूदा स्थिति बुजुर्ग पुरुषों में आम है लेकिन इस प्रक्रिया के कुछ नुकसान भी हुए हैं। उनके मुकदमे की सुनवाई कर रहे न्यायाधीशों ने रविवार को उनके वकील के अनुरोध को स्वीकार कर लिया कि इस सप्ताह निर्धारित तीन दिन की बयान दर्ज करने की कार्यवाही रद्द कर दी जाए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 31 दिसम्बर, मंगलवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, पौष शुक्लपक्ष प्रतिपदा, 27:20 तक, नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 23:53 तक, योग : ध्रुव, 18:52 तक, सूर्योदय: 6:17, सूर्यास्त: 17:01 चन्द्रोदय : 06:38, चन्द्रास्त: 17:22, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : धनु, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 14:19 से 15:39

राशिफल

मेष : ममेष राशि वालों के लिए आज का दिन करियर में सफलता से भरा रहेगा। पूरा दिन व्यस्तता बनी रहेगी। आपके भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण में कुछ बदलाव हो सकता है।

वृष : वृष राशि वालों को करियर में लाभ होगा। जीवन सफलता से भरा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्तम धन-संपत्ति की प्राप्ति होगी। चन्द्रमा की शुभ दृष्टि से सफलता के योग बन रहे हैं।

मिथुन : मिथुन राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा। पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शाम तक स्थिति में सुधार होगा। इससे आपका मन प्रसन्न होगा।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। कुछ खर्च हो सकता है। परिवार के लोगों के साथ किसी बात को लेकर बहस हो सकती है।

सिंह : सिंह राशि के लोगों का दिन शुभ है और आपको हर कार्य में आशातीत सफलता प्राप्त होगी और आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। संतान के प्रति आपके दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या : कन्या राशि वालों को लाभ होगा। कारोबार में सफलता के योग बन रहे हैं। जीवन में खुशहाली बढ़ेगी और आप तरक्की करेंगे। नौकरी और कारोबार में सफलता मिलेगी।

तुला : तुला राशि वालों को करियर में लाभ होगा। पराक्रम में वृद्धि होगी। इससे मन को संतोष मिलेगा। दिन आनंद में बीतेगा और आप सफल होंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। बिजनस में भरपूर लाभ होगा। किसी विशेषज्ञ की सलाह आगे चलकर उपयोगी साबित होगी।

धनु : धनु राशि वालों के लिए करियर में लाभ का दिन है। तरक्की मिलेगी। अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होगी। इससे आपके कोष में वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने पारिवारिक मामलों में पूरा ध्यान देना होगा। आप खुद को बेहतर बनाए रखने की कोशिश करेंगे।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन : आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसे आप पूरा करने की कोशिश करेंगे।

वर्ग पहेली नं. 2962

1	■	2		3	■	4		5	
	■		■	6	7		■		■
8			9	■	10		11		■
	■	■	12		■	13		■	14
15	16			■	17	■	18		
■		■	■	19		20		■	
■	21	22			■		■	■	
23	■		■	24	25		26	27	■
28				■		■	29		

बायें से दायें:- 2) सभा; अधिवेशन, 4) भारत का एक घटक राज्य, 6) अंतराल; दूरी, 8) आना; बैठना, 10) चूकना; मार्गभ्रष्ट होना; भटकना, 12) ठोढ़ी के बाल, 13) बुरी आदत, 15) सेठ; पैसेवाला; धनाढ्य; 18) सालाना, 19) विशेषतः, 21) एक सुगंधि मसालेदार फल, 24) एक नदी, 28) भेदभावहीनता; सादृश्य, 29) उपयोगी; उद्देश्यपूर्ण.

ऊपर से नीचे:- 1) बेगुनाह, 2) जीर्णशीर्ण; शिथिलकाय, 3) पगड़ी, 4) तीव्र जहर, 5) प्रार्थना, 7) हर कोई, 9) अनुभवहीन; मूर्ख, 11) कूड़ा-करकट, 14) मोहक, 16) परिणाम, 17) कड़ा; सघन; पक्का, 19) राष्ट्रीयकृत; एक सिक्ख संप्रदाय, 20) टीला; किनारा, 22) विश्वास, 23) रिश्वत, 25) मूल्यकटौती; बाज़ीगर गोटी, 26) मच्छर; त्वचाचिन्ह, 27) धर्मस्थान.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

खु	ला	■	चा	■	ब	हा	ना	■	आ
शा	■	जा	य	दा	द	■	मा	य	ना
म	का	न	■	स्ता	न	■	लू	■	जा
दी	न	■	आ	न	■	स	म	झ	ना
■	पु	ला	व	■	औ	गा	■	ट	■
भो	र	■	भा	ड़ा	का	■	ना	प	ना
ला	■	■	ग	■	त	रा	व	ट	■
ना	■	ज	त	न	■	ह	■	■	पो
था	प्प	ड़	■	र	ज	त	ज	यं	ती

सुडोकू-पहेली-2922

			7	6		2		
4			8					
1	5							
					1		4	
	3					8		
	2							
			2					3
7							1	
				8				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2921 का उत्तर

2	4	8	9	5	6	1	7	3
5	1	9	2	3	7	6	8	4
6	3	7	4	8	1	9	2	5
8	5	1	3	6	4	2	9	7
9	6	3	8	7	2	4	5	1
7	2	4	5	1	9	8	3	6
3	9	5	1	4	8	7	6	2
4	7	2	6	9	3	5	1	8
1	8	6	7	2	5	3	4	9

चाक चौबंद व्यवस्था के बीच गंगासागर में पुण्यार्थी करेंगे पुण्य स्नान

- सुरक्षा के लिए तैनात होंगे 13 हजार पुलिस कर्मी
- पुलिस और जिला प्रशासन नदियों और समुद्रों पर रखेगा विशेष निगरानी

तीर्थयात्रियों की 24 घंटे सेवा व मदद के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध

कोलकाता, समाज्ञा : कुम्भ मेले के बाद देशभर में दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक मेला गंगासागर मेला-2025 सागर द्वीप में 8 जनवरी से शुरू होगा। मेले का समापन 17 जनवरी को होगा। सोमवार को दक्षिण 24 परगना जिला के डीएम सुमित गुप्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम शुरू कर दिया है। वहीं, सुंदरवन पुलिस जिले के एसपी डॉ. कोटेश्वर राव ने दावा किया कि मेले में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था रहेगी। डॉ. राव ने सम्भावित आतंकी गड़बड़ी से जुड़े एक सवाल के जवाब में दावा किया कि गंगासागर पुण्य स्नान के दौरान चप्पे-चप्पे पुलिस प्रशासन सहित एजेंसियों की नजर रहेगी और किसी भी हालात का सामना करने के लिए पूरी व्यवस्था तैयार है। गंगासागर में देश के विभिन्न भागों और विदेशों से आने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था बेहद पुख्ता होगी। मेले में 13 हजार पुलिस कर्मी ही नहीं इंस्पेक्टर, डीएसपी, एएसपी, एसपी से लेकर वरीय आईपीएस अधिकारी तैनात रहेंगे।

❑ 1,150 सीसीटीवी कैमरे व 20 ड्रोन और 2,500 सिविल डिफेंस कर्मी की तैनाती

सागर मेले में महत्वपूर्ण स्थानों पर 1,150 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरों में विशेष भीड़ प्रबंधन सॉफ्टवेयर लगा होगा जो तीर्थयात्रियों की संख्या, भीड़ के एकत्र होने की चेतावनी आदि के बारे में जानकारी देने के लिए वास्तविक समय में कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करेगा। इसके अलावा, महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष 20 ड्रोन का उपयोग करके ड्रोन-आधारित ट्रैकिंग और जीपीएस निर्देशित इंटेलिजेंट क्राउड मॉनिटरिंग भी की जाएगी, जिसकी निगरानी मेगा कंट्रोल रूम से होगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 54 किलोमीटर की मेटल और अस्थायी बैरिकेडिंग की जा रही है। सभी प्रमुख सड़कों, मेला स्थलों और तीर्थयात्रियों की सुविधाओं पर दिशा सूचक संकेत लगाए जाएंगे। तीर्थयात्रियों के मार्गों की आसान पहचान के लिए प्रत्येक सड़क को अलग-अलग रंगों से रंगा जा रहा है। डीएम सुमित गुप्ता ने बताया कि मेले में 2500 सिविल डिफेंस कर्मी तैनात होंगे।

❑ 2,500 से अधिक बसें व अन्य वाहन और 12 अस्थायी फायर स्टेशन

डीएम ने बताया कि 2,500 से अधिक बसें व अन्य वाहन तीर्थयात्रियों के लिए चलेगें। साथ ही, 1000 से 2500 यात्री क्षमता वाले 9 बर्ज, 32 वेसेल, लकड़ी के 100 लांच चलेंगे। त्वरित प्रतिक्रिया दल, डीप डाइवर्स, भारतीय नौसेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और तटरक्षक बल को तैनात किया जाएगा। 50 फायर टेंडर के साथ 12 अस्थायी फायर स्टेशन होंगे। रात के दौरान जहाजों की सुरक्षित आव-ाजाही के लिए मुड़ी गंगा चैनल के भीतर डब्ल्यूबीटीसी द्वारा फॉग लाइट की व्यवस्था, डब्ल्यूबीएसईटीसीएल द्वारा मुड़ी गंगा पर टावरों की रोशनी, पीएचई द्वारा जेटी पर फॉग लाइट और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर फॉग लाइट की व्यवस्था की जा रही है। प्रत्येक तीर्थयात्रियों के लिए 5 लाख रुपये दुर्घटना बीमा कवरेज होगा। लांच और बर्ज में एक एकीकृत सॉफ्टवेयर के साथ उन्नत जीपीएस डिवाइस लगाई जाएगी, जिसकी निगरानी सागर स्थित मेगा कंट्रोल रूम से की जाएगी। इस दौरान यहां 142 स्वंयसेवी संस्थाओं के 8 हजार कर्मी तीर्थयात्रियों को भोजन, स्वास्थ्य से लेकर हर सम्भावित सेवा प्रदान करेंगे। तीर्थयात्रियों के लिए 12,000 से अधिक स्थायी और अस्थायी शौचालय होंगे और तीन हजार सफाई कर्मी रात-दिन तैनात होकर अपना काम करेंगे।

❑ स्वास्थ्य सेवा पर जोर व पर्याप्त जलापूर्ति की सुविधा

इसके अलावा, उन्नत स्वास्थ्य सेवा से पूर्ण 5 अस्थायी अस्पतालों सहित, इसके अलावा लगभग 515 बेड को जरुरत के लिए आरक्षित रखा जाएगा। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा के लिए 1 एयर एम्बुलेंस, 4 वाटर एम्बुलेंस और 100 एम्बुलेंस तैनात की जाएंगी। सागर और लॉट-8 में पैरामेडिक्स और नर्सों के साथ पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टरों को सेवा में रखा जाएगा। मरीजों को निकालने के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध होगा। सागर द्वीप में गहन चिकित्सा इकाई और 24 घंटे पोस्टमार्टम सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। सागर में आधुनिक जल आपूर्ति पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। लगभग 70 लाख पानी के पाउच लोगों को बांटे जाएगें। साथ ही, दुकानों की खाद्य गुणवत्ता की जांच होगी। इसके अलावा, तीर्थयात्रियों के लिए विभिन्न भाषाओं जैसे बंगाली, हिंदी, उड़िया, तमिल, तेलुगु, मराठी, आदि में प्रचार सामग्री के माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी। डीएम गुप्ता ने बताया कि तीर्थयात्री मोबाइल के माध्यम से पेयजल, एटीएम, शौचालय, स्वास्थ्य केन्द्र, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, फेरी घाट, मदद कियोस्क, खोया-पाया कियोस्क, पार्किंग, मेले के लिए सरकारी आवास, पर्यटन स्थल, गंगासागर मेले के विभिन्न आकर्षण केन्द्र की जानकारी बंगाली, अंग्रेजी और हिंदी पाएगें।

❑ ई-सर्विसेज पर जोर

पहली बार बंधन के द्वारा फोटो बूथों से तीर्थयात्री अपनी यादों को ताजा रख सकेंगे। यानी तीर्थयात्रियों की तस्वीर और प्रशासन की ओर से एक नोट युक्त एक व्यक्तिगत प्रमाण पत्र तीर्थयात्रियों को प्रदान किया जाएगा। साथ ही, हर साल की तरह इस साल भी ई-स्नान, ई-अनुसंधान, ई-दर्शन, ई-परिचय क्यूआर कोड रिस्ट बैण्ड व वेबसाइट सेवा से लेकर हर तरह की सुविधा तीर्थयात्रियों के लिए होगी। उक्त संवाददाता सम्मेलन में एडीएम हरसिमरन सिंह, एडीएम भास्कर पाल, जिला सभाधिपति नीलिमा मिस्त्री विशाल डीआईसीओ अनन्या मजूमदार मौजूद रहें।

फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार एजेंट मनोज गुप्ता का बांग्लादेश भागने की थी योजना

कोलकाता, समाज्ञा : फर्जी पासपोर्ट रैकेट से जुड़े एजेंट मनोज गुप्ता को कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनकी बांग्लादेश भागने की योजना थी। कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इसी इरादे से वह उत्तर 24 परगना जिले के गाइघाटा में किराए के मकान में रहने लगा था, जो बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित है। कोलकाता पुलिस के अनुसार, अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद मनोज गुप्ता को शक हो गया था कि अब अगला नंबर उसका हो सकता है। यह डर तब और बढ़ गया जब पुलिस ने बेहला स्थित फर्जी ट्रैवल एजेंसी से जुड़े उसके सहयोगी दीपंकर दास को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, गुप्ता ने गाइघाटा में रहने का फैसला किया, जो न केवल बांग्लादेश सीमा के करीब है, बल्कि वहां का कुछ हिस्सा बिना बाड़ वाला और बेहद संवेदनशील है। जांच में यह भी पता चला है कि गुप्ता ने गाइघाटा में जिस कमरे में शरण ली थी, उसे उसने मकान मालिक से सीधे किराए पर नहीं लिया था। यह कमरा एक महिला के नाम पर किराए पर लिया गया था और गुप्ता ने उसे अनौपचारिक रूप से कुछ पैसे देकर कब्जा किया था। इन सब तथ्यों के आधार पर जांच अधिकारियों का मानना है कि गुप्ता बांग्लादेश भागने की तैयारी कर रहा था। जांच में खुलासा हुआ है कि यह रैकेट अवैध घुसपैठियों के लिए एक सुनियोजित प्रक्रिया के तहत काम करता था। सबसे पहले घुसपैठियों को भारत की सीमा पार कर सुरक्षित स्थानों, खासकर सीमावर्ती गांवों में शरण दी जाती थी। इसके बाद, उन्हें फर्जी राशन कार्ड उपलब्ध कराए जाते थे, जो अन्य दस्तावेजों, जैसे वोटर आईडी, पैन कार्ड और आधार कार्ड, बनाने का आधार बनते थे। अंत में, इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाए जाते थे। पुलिस अब इस रैकेट के अन्य सदस्यों और उनके काम करने के तरीके की गहराई से जांच कर रही है।

अब 'नटी बिनोदिनी' के नाम से जाना जाएगा स्टार थिएटर, ममता का ऐलान

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता के ऐतिहासिक स्टार थिएटर का नाम बदलने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को संदेशखाली में आयोजित सभा के दौरान ऐलान किया कि अब इस थिएटर का नाम 'नटी बिनोदिनी' के नाम पर रखा जाएगा। यह कदम उस ऐतिहासिक 'अन्याय' को सुधारने की दिशा में है, जो 141 साल पहले बिनोदिनी के साथ हुआ था। दूसरी तरफ, इस फैसले को कोलकाता नगर निगम ने भी सकारात्मक कदम के रूप में स्वीकार किया है और नाम परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कोलकाता नगर निगम के मेयर परिषद के हेरिटेज विभाग के प्रमुख स्वप्न समद्दर ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि

नटी बिनोदिनी बंगाली थिएटर की अग्रणी और प्रतिभाशाली अभिनेत्री थीं। एक यौनकर्मी की बेटी होने के बावजूद, उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया। समाज के पितृसत्तात्मक रवैये और पुरुष कलाकारों की साजिश के चलते 1883 में बनने वाले थिएटर का नाम उनके बजाय 'स्टार थिएटर' रख दिया गया। इस घटना ने बिनोदिनी को गहरा आघात पहुंचाया, और मात्र 22-23 वर्ष की उम्र में उन्होंने अभिनय से संन्यास ले लिया।

पूर्व रेलवे

मंडल अभियंता (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **डीईएन/4/हावड़ा। क्रमांक 1, ई-निविदा सं. 301_2024-25, दिनांक 27.12.2024, कार्य का विवरण:** साहिबगंज लूप में किमी. 141/800-172/200 के बीच एईएन/रामपुरहाट के अधीन एसएसई/पी.वे/पाकुड़ अनुभाग में पाकुड़ का पी. वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 1,28,47,643.29; **बयाना राशि:** रु. 2,14,200। **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **क्रमांक 2, ई-निविदा सं. 302_2024-25, दिनांक 27.12.2024, कार्य का विवरण:** एसएसई/वर्क्स/पाकुड़ के अधीन आरपीएफ/पोस्ट/पाकुड़ के लिए पाकुड़ में आरपीएफ कार्यालय भवन का निर्माण तथा सीनि. डीईएन/4/हावड़ा के क्षेत्राधिकार में कंगमन अनुभाग में एलसी नं. 4, 17, 18, 19, 21, 23, 1बी, 30, 33, 39, 42 एवं 43 में सड़क का चौड़ीकरण। **अनुमानित लागत:** रु. 2,68,15,219.67; **बयाना राशि:** रु. 2,84,100। **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.01.2025 को अपराह्न 2.00 बजे। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा ऊपर उल्लेखित वेबसाइट के जरिए पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-513/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

शिक्षक भर्ती घोटाला : आरोपित कालीघाट के काकू अस्पताल में भर्ती, आरोप तय करने की प्रक्रिया स्थगित

दो जनवरी को मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर न्यायाधीश मामले में निर्देश देंगे

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक भर्ती घोटाला में आरोपित सुजयकृष्ण भद्र उर्फ कालीघाट वाले काकू के अचानक अस्पताल में भर्ती होने के बाद सोमवार को कोलकाता की विशेष अदालत में आरोप तय करने की प्रक्रिया स्थगित कर दी गई। दरअसल, सुजय कृष्ण भद्र को यहां बैंकशाल न्यायालय में पीएमएलए अदालत में लाते समय चक्कर आने के बाद सरकारी एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया, उनके वकील ने न्यायाधीश को यह जानकारी दी। प्रोटोकॉल के अनुसार, ईडी द्वारा दायर चार्जशीट में आरोपित के रूप में नामित सभी लोगों को आरोप तय करने के समय अदालत में शारीरिक रूप से उपस्थित होना चाहिए। चूंकि, भद्र के मामले में ऐसा संभव नहीं था, इसलिए उसके अस्पताल में भर्ती होने के कारण प्रक्रिया दो जनवरी को अगली सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस दिन, भद्र की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विशेष अदालत के न्यायाधीश मामले में निर्देश देंगे। पता चला है कि सुजयकृष्ण भद्र को सुबह बेहोशी की हालत में दक्षिण कोलकाता के प्रेसिडेंसी जेल से राज्य संचालित एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले जाया गया। ईडी ने विशेष पीएमएलए अदालत में दायर आरोपपत्र में कुल 53 लोगों को आरोपित बनाया है, जिनमें से 29 व्यक्ति हैं और शेष 24 कॉरपोरेट संस्थाएं या ट्रस्ट हैं। भद्र के अलावा, आरोपपत्र में अन्य दिग्गज नामों में राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीपीई) के पूर्व अध्यक्ष मानिक भट्टाचार्य, पार्थ के दामाद कल्याणमय भट्टाचार्य शामिल हैं। हाल ही में, ईडी द्वारा मामले में दायर पांचवें और अंतिम पूरक आरोपपत्र में पार्थ चटर्जी की दिवंगत पत्नी के नाम पर बबली चटर्जी मेमोरियल ट्रस्ट का नाम भी शामिल किया गया है।

शुभेंदु ने बंगाल सरकार पर बीएसएफ के लिए भूमि अधिग्रहण बाधित करने का आरोप लगाया

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार पर बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ चौकियों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के प्रयासों में जानबूझकर बाधा उत्पन्न कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का सोमवार को आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस सरकार का असहयोग सीमा पार से घुसपैठ और अपराध रोकने के महत्वपूर्ण उपायों में बाधा उत्पन्न कर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने ममता सरकार पर राज्य और राष्ट्र, दोनों की सुरक्षा को ताक पर रखकर वोट-बैंक की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने इस बात पर जोर दिया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के लिए भूमि आवंटित करने से इनकार करना बांग्लादेश से घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि का कारण बन रहा है। इस दिन, उन्होंने कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार सरहद की सुरक्षा के लिए सीमा चौकियां (बीओपी) और बाड़ बनाने के वास्ते भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में बाधा डाल रही है। केंद्र सरकार सारा खर्च वहन करने को तैयार है, लेकिन राज्य सरकार जानबूझकर जमीन उपलब्ध नहीं करा रही है। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि टीएमसी अपना वोट बैंक बनाए रखने के लिए एक विशेष समुदाय को खुश करने के इरादे से ऐसा कर रही है। उन्होंने सीमा पर बाड़ लगाने के काम में देरी पर भी चिंता जताई और कहा कि राज्य में 569.254 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अभी भी असुरक्षित है, जिसका बड़ा हिस्सा घुसपैठ और तस्करी के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र द्वारा स्वीकृत भूमि अधिग्रहण के मामलों को भी मंजूरी नहीं दी है। नतीजतन बीएसएफ 17 से अधिक महत्वपूर्ण स्थानों पर चौकियों और बाड़ सहित आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण करने में असमर्थ रहा है। उन्होंने कहा कि देरी के कारण अवैध गतिविधियों में बेलगाम वृद्धि हुई है। शुभेंदु ने राज्य पुलिस पर सीमा पार से अपराधों, खास तौर पर मानव तस्करी, पशु तस्करी और फेंसेडिल एवं याबा टैबलेट जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने में बीएसएफ का सहयोग न करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि राज्य पुलिस सीमा पार के अपराधियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने में नाकाम रही है। इनमें से कई आपराधिक तत्व सत्तारूढ़ दल की शह पर काम कर रहे हैं।

❑ तृणमूल आरोपों को बताया 'बेबुनियाद', राजनीतिकरण का लगाया आरोप

हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने शुभेंदु के आरोपों को 'बेबुनियाद' करार देते हुए खारिज किया। पार्टी ने भाजपा नेता पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। कुणाल घोष ने कहा कि राज्य सरकार पर लगाए गए ये आरोप निराधार हैं। राज्य सरकार ने बीएसएफ और अन्य केंद्रीय एजेंसियों को हर संभव मदद प्रदान की है। शुभेंदु केंद्र सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए राज्य सरकार पर दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

इच्छा की अभिव्यक्ति

मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा मेट्रो रेलवे, कोलकाता के **महानायक उत्तम कुमार मेट्रो स्टेशन भवन (सबवे वाले प्रवेश द्वार के अग्र भाग) के सामने दक्षिण सिरे के गार्डन क्षेत्र में पांच (05) वर्ष की अवधि के लिए रेल कोच रेस्टोरेंट के रूप में एक** (01) कोच की स्थापना हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की जाती है। **स्थान** के लिए माप निम्नानुसार है: क) 76 फीट x 26 फीट = 1,976 वर्ग फीट (लगभग)। इच्छुक फर्म/एजेंसियां इस कार्य के लिए किफायती एल/फीस के साथ जल्द से जल्द आ सकती हैं और मेट्रो रेलवे, कोलकाता के उप सीओएम (वाणिज्य) के कार्यालय से संपर्क कर सकती हैं। विवरण के लिए, बोलीदाता श्री राजीब मलिक, संपर्क नं.-6290327346 पर अधिक जानकारी के लिए संपर्क कर सकते हैं। **अंतिम तिथि: 07.01.2025; समय: 16.00 बजे तक।**

प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक

हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

पटना साहिब स्टेशन में चौदह जोड़ी ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

यात्रियों की सुविधा के लिए, **श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज** के **358वें जन्मोत्सव** के अवसर पर नीचे उल्लेखित ट्रेनें **पटना साहिब (पीएनसी) स्टेशन** में **दिनांक 12.01.2025 तक** की अवधि के लिए 02 (दो) मिनट के लिए अस्थाई रूप से ठहरेंगी: (1) **12361/12362** आसनसोल-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-आसनसोल साप्ताहिक एक्सप्रेस। (2) **12333/12334** हावड़ा-प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस। (3) **22213/22214** शालीमार-पटना-शालीमार दुरंतो एक्सप्रेस। (4) **18449/18450** पुरी-पटना-पुरी बैद्यनाथ धाम एक्सप्रेस। (5) **22948/22947** भागलपुर-सूरत-भागलपुर सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस। (6) **13241/13242** बांका-राजेन्द्र नगर टर्मिनल-बांका इंटरसिटी एक्सप्रेस। (7) **12325/12326** कोलकाता-नांगल डैम-कोलकाता साप्ताहिक गुरुमुखी एक्सप्रेस। (8) **12303/12304** हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस। (9) **13331/13332** धनबाद-पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस। (10) **13423/13424** भागलपुर-अजमेर-भागलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस। (11) **22405/22406** भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल-भागलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस। (12) **12327/12328** हावड़ा-देहरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस। (13) **12315/12316** कोलकाता-उदयपुर सिटी-कोलकाता अनन्या साप्ताहिक एक्सप्रेस तथा (14) **13229/13230** गोड्डा-राजेन्द्र नगर टर्मिनल-गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस। अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए मतदाता सूची की होगी सघन जांच

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने बांग्लादेश से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती जिलों की मतदाता सूचियों की सघन जांच शुरू की है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के अनुसार, बांग्लादेशी कट्टरपंथी समूहों के कुछ सदस्यों ने अवैध रूप से भारतीय मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज करवाया है। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, यह प्रक्रिया मुर्शिदाबाद जिले से शुरू की गई है। हाल ही में बांग्लादेश-आधारित कट्टरपंथी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के कार्यकर्ता शाद रदी उर्फ शाब शेख की गिरफ्तारी के बाद यह पता चला कि उसने न केवल मुर्शिदाबाद में मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाया था, बल्कि जिले की दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों कांदी और हरिहरपाड़ा में भी मतदाता के रूप में पंजीकरण करवाया था। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सीईओ कार्यालय ने सभी नए आवेदनों के दस्तावेजों की गहन जांच के निर्देश दिए हैं। अधिकारी के मुताबिक, फर्जी दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया में फर्जी राशन कार्ड पहले चरण में आता है, जिसके बाद फर्जी मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) बनता है। तीसरे और चौथे चरण में फर्जी पैन कार्ड और आधार कार्ड तैयार किए जाते हैं, जबकि अंतिम चरण में फर्जी पासपोर्ट बनता है। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि अगर इस श्रृंखला को फर्जी ईपीआईसी कार्ड के स्तर पर ही तोड़ दिया जाए, तो आगे के सभी चरण स्वतः रुक जाएंगे। इसके लिए नए ईपीआईसी कार्ड आवेदकों के दस्तावेजों की जांच में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

पासपोर्ट में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए पुलिस विभाग ने जारी की नई गाईडलाइन

- नए निर्देश में पासपोर्ट सत्यापन में एसपी और सीपी पर डाली गई हैं नई जिम्मेदारियां

कोलकाता, समाज्ञा : फर्जी पासपोर्ट के खिलाफ कार्रवाई जारी है। पुलिस द्वारा लगातार गिरफ्तारी की जा रही है। इस बीच, पासपोर्ट में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए सत्यापन के दौरान पुलिस को क्या करना है, इसे लेकर जिलों और कमिश्नरेट के लिए नई गाईडलाइन जारी की गई है। सूत्रों के मुताबिक, यह नया निर्देश राज्य खुफिया शाखा की ओर से भेजा गया है। यह लिखित निर्देश रविवार की दोपहर को ही राज्य खुफिया शाखा से ई-मेल द्वारा भेजा गया है। यह निर्देश डीजीपी के संवाददाता सम्मेलन करने के बाद जारी हुआ है। डीजीपी ने रविवार को कहा था कि पासपोर्ट सत्यापन में पुलिस की कोई भूमिका नहीं है। नई गाईडलाइन में जिला पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्त के कंधों पर नई जिम्मेदारियां डाली गई हैं। पासपोर्ट के लिए पुलिस सत्यापन प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए कई नए निर्णय लिए गए हैं। जमीनी जांच स्थानीय थाने द्वारा की जाएगी, यह भी तय हो गया है। जांच रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए थाने के प्रभारी को भेजी जाएगी। जिलों में पुलिस अधीक्षक, शहरों में पुलिस आयुक्त पासपोर्ट आ-वेदनों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए एक सक्षम अधिकारी नियुक्त करेंगे। पासपोर्ट आवेदन और सेटलमेंट से संबंधित लॉगइन आईडी पासवर्ड एसपी या सीपी अपने पास रखेंगे।

बांग्लादेश से रिहा हो रहे काकद्वीप के 95 मछुआरे, ट्रॉलरों को भी वापस लौटाएगा

- ढाई महीने पहले बांग्लादेश के तटरक्षकों ने पकड़ा था

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्लादेश करीब ढाई महीने बाद आखिरकार काकद्वीप से 95 मछुआरों को रिहा करने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक रिलीज ऑर्डर पहले ही जारी हो चुका है। वे अगले तीन दिनों में देश लौट आएंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मछुआरों की रिहाई के लिए कदम उठाने के लिए केंद्र पर दबाव डाल रही हैं। ये बात उन्होंने खुद विधानसभा में खड़े होकर कही। उनके प्रयासों के कारण, भारत सरकार ने अंततः आवश्यक कदम उठाए। वहीं सरकार ने भारत में फंसे 90 बांग्लादेशी मछुआरों को भी रिहा करने का फैसला किया है। यह निर्णय दोनों देशों के बीच कैदी विनिमय समझौते के अनुरूप है। घटना पिछले अक्टूबर की है।

काकद्वीप से 6 मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर मछली पकड़ने के लिए बांग्लादेश के जलक्षेत्र में पहुँचे। कुल 96 मछुआरे थे। बांग्लादेश नौसेना द्वारा पकड़े जाने के बाद एक मछुआरे ने पानी में कूदकर आत्महत्या कर ली। शेष 95 को बांग्लादेश नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। तब से काकद्वीप के मछुआरों को वहीं कैद कर दिया गया। पिछले महीने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें वापस लाने के लिए केंद्र पर दबाव बढ़ाया था। नवंबर में विधानसभा सत्र में खड़े होकर उन्होंने कहा था कि मामला अब दोनों देशों के बीच है। ममता बनर्जी बार-बार केंद्र से गुहार लगा चुकी हैं। इस बार उनकी पहल सफल होने जा रही है।

अभिषेक के नाम पर रंगदारी मामले में भाजपा विधायक नहीं हुए पेश, पुलिस से मांगा समय

कोलकाता, समाज्ञा : कूचबिहार के भाजपा विधायक निखिलरंजन डे ने तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के नाम पर तोलाबाजी मामले में पुलिस समन से परहेज किया। उन्होंने रविवार देर रात कोलकाता पुलिस को ईमेल किया।विधायक ने कुछ समय मांगा। उन्होंने जांच में पूरा सहयोग देने की भी बात कही। ज्ञात हो कि कालना नगरपालिका अध्यक्ष आनंद दत्ता ने पुलिस से शिकायत की थी कि 27 दिसंबर को उन्हें अभिषेक बनर्जी के कार्यालय से फोन आया था। बताया जा रहा है कि चेयरमैन के खिलाफ कई जगहों से वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। पुलिस किसी भी वक्त उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने आगे दावा किया कि उन्हें फोन पर कहा गया था कि अगर वह 5 लाख का भुगतान करेंगे तो उन्हें पुलिस हिरासत से रिहा कर दिया जाएगा। जिस मोबाइल नंबर से कॉल किया गया था, उसकी लोकेशन ट्रैक करने पर पता चला कि कॉल हुगली से आया था। पुलिस ने शिफ्ट चेयरमैन के साथ जालसाजों को जमकर पीटा। जिस नंबर से फोन आया था, चेयरमैन ने उस नंबर पर फोन किया और जालसाजों को यह कहते हुए एमएलए हॉस्टल में बुलाया कि वह उनकी मांग के मुताबिक उन्हें भुगतान करने को तैयार हैं। इमरान शेख नाम के युवक ने भाजपा विधायक के यहां एमएलए हॉस्टल में कमरा बुक कराया था। कूचबिहार के भाजपा विधायक निखिलरंजन डे का घर बुक किया गया। इस जानकारी के सामने आने के बाद से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है । विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि घटना की जांच की जाएगी। तभी शेक्सपियर सरणी थाने की पुलिस ने विधायक को बुलाया। सोमवार को उसे थाने में पेश होना था। विपक्षी नेता शुभेंदु ने कहा कि वह अधिकारी के सुझाव के अनुसार पुलिस स्टेशन में उपस्थित होंगे। लेकिन बाद में उन्होंने पुलिस के समन को देखते हुए कुछ समय मांगा।

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

कानूनी पेचीदगियों का समाधान नहीं होने तक 2023 का टीईटी परिणाम प्रकाशित करना संभव नहीं : बोर्ड अध्यक्ष

➨ कुछ अभ्यर्थियों ने सवालों को लेकर अदालत में दी हैं चुनौती

कोलकाता, समाज्ञा : प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष गौतम पाल ने कहा कि 2017 और 2022 की शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की कानूनी जटिलताओं का समाधान नहीं होने तक 2023 परीक्षा का परिणाम प्रकाशित होने की संभावना नहीं है। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि कई मुद्दों पर कानूनी पेचीदगियां हैं। कुछ अभ्यर्थियों ने सवालों को लेकर अदालत में चुनौती दी है। इनमें से ज्यादातर 2017 और 2022 टीईटी के हैं। गौरतलब है कि बोर्ड ने गलत प्रश्नों के आरोपों की जांच के लिए कोर्ट के आदेश के बाद पहले ही विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के साथ एक समिति का गठन किया है।

अभ्यर्थियों की शिकायत है कि टीईटी 2017 में 23 प्रश्न और टीईटी 2022 में 24 प्रश्न गलत थे। कमेटी इन सभी शिकायतों की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित करेगी। इसके अलावा 2023 टीईटी के सवालों पर भी मामला हुआ है। बोर्ड इस पर कानूनी सलाह भी ले रहा है।

2022 में टीईटी का आयोजन पांच साल के लंबे अंतराल के बाद हुआ। अभ्यर्थियों की संख्या लगभग सात लाख थी। करीब डेढ़ लाख अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। उस वर्ष बोर्ड का कार्यभार संभालने के बाद अध्यक्ष ने घोषणा की कि टीईटी को वर्ष में दो बार लिया जाएगा। इसी तरह बोर्ड ने 24 दिसंबर 2023 को परीक्षा आयोजित की थी। तीन लाख नौ हजार 54 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया लेकिन दो लाख 72 हजार ने परीक्षा दी। परीक्षा के वर्षों बाद भी प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने अभी तक परिणाम जारी नहीं किया है। इस बीच विभिन्न कानूनी जटिलताओं और भर्ती में देरी के कारण 2024 टीईटी भी रद कर दिया गया था। प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने सात मई को परीक्षा की उत्तर पु-स्तिका प्रकाशित की थी। किसी प्रश्न का सही उत्तर दर्शाया गया था। यदि किसी अभ्यर्थी को किसी प्रश्न के सही उत्तर को लेकर असमंजस हो तो उसे प्रश्न को चुनौती देने का अवसर भी दिया गया था। शिकायत दर्ज करने की समय सीमा 10 मई से नौ जून की मध्यरात्रि तक थी। इसके बाद से ही अभ्यर्थी परिणाम को लेकर आशान्वित थे। वर्ष 2022 में प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में लगभग सात लाख उम्मीदवार बैठे थे। उसकी तुलना में 2023 में परीक्षार्थियों की संख्या कम हो गयी। बोर्ड ने बताया कि इस साल सिर्फ डीएलएड पास करने वाले ही परीक्षा में शामिल हो पाए, इसलिए यह संख्या घट गई है।

आईआईटी खड़गपुर नवोन्मेषकों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है : टीवी नरेंद्रन

➨ कहा- दुनिया की नजर सबसे युवा देशों में से एक के रूप में हमारी क्षमता पर केंद्रित होती जा रही हैं

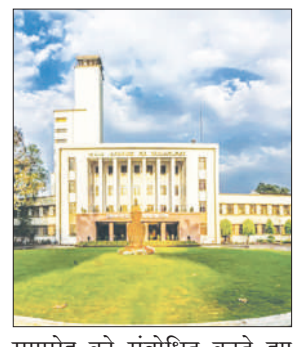

कोलकाता, समाज्ञा : आईआईटी खड़गपुर के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीइओ) व प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने सोमवार को कहा कि भारत की तकनीकी उत्कृष्टता का आधार यह प्रतिष्ठित संस्थान अपने क्षेत्र में अग्रणी रहने वालों की अगली पीढ़ी को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आईआईटी खड़गपुर के 70वें दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए नरेंद्रन ने इसे एक ऐसा संस्थान बताया जो सात दशकों से अधिक समय से भारत की तकनीकी और शैक्षणिक उत्कृष्टता का आधार रहा है। नरेंद्रन ने कहा, जैसे-जैसे भारत विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनता जा रहा है, दुनिया की नजर सबसे युवा देशों में से एक के रूप में हमारी क्षमता पर केंद्रित होती जा रही है। इस महत्वपूर्ण दौर में आईआईटी खड़गपुर, अपने क्षेत्र में अग्रणी रहने वालों की अगली पीढ़ी, नवोन्मेषकों और बदलाव लाने वाले युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नरेंद्रन ने यह भी कहा कि आने वाला दशक भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरते हुए देखेगा और आईआईटी खड़गपुर को इसमें एक प्रमुख कड़ी बने रहना चाहिए। दीक्षा समारोह में कुल 3,456 डिग्रियां वितरित की गईं, जिनमें 480 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं।

चाय के उत्पादन में 2024 में गिरावट, निर्यात में वृद्धि

➨ चाय के कुल उत्पादन में इस साल 10 करोड़ किलो से अधिक की गिरावट आने की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : मौसम की अनियमित स्थिति तथा बागानों के समय से पहले बंद होने के कारण इस साल के अंत तक चाय के कुल उत्पादन में 10 करोड़ किलोग्राम से अधिक की गिरावट आने की आशंका है। चाय उद्योग के हितधारकों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि हालांकि इस वर्ष बेहतर मूल्य प्राप्ति तथा निर्यात में वृद्धि से हालात बेहतर रहे। उन्होंने कहा कि 2023 के पहले 10 महीनों में करीब 117.8 करोड़ किलोग्राम उत्पादन की तुलना में देश में चालू कैलेंडर वर्ष की जनवरी-अक्टूबर अवधि में करीब 111.2 करोड़ किलोग्राम चाय का उत्पादन हुआ। हालांकि, निर्यात के 2024 में 24-25 करोड़ किलोग्राम तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष करीब 23.1 करोड़ किलोग्राम रहा था। भारतीय चाय संघ के चेयरमैन हेमंत बांगड़ ने कहा कि 2024 में जनवरी-अक्टूबर की अवधि में उत्पादन में करीब 6.6 करोड़ किलोग्राम की कमी, जबकि नवंबर के बाद चाय के बागान बंद किए जाने से उत्पादन में 4.5 से पांच करोड़ किलोग्राम की और गिरावट आने की आशंका है। भारतीय चाय निर्यातक संघ के चेयरमैन अंशुमान कनोरिया ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों तथा मुद्रा संबंधी मुद्दों के बावजूद भारत का चाय निर्यात अच्छा रहा तथा निर्यात में वृद्धि व्यापारियों की उच्च जोखिम क्षमता के कारण हुई। बांगड़ ने कहा, इस साल चाय उद्योग का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। फसल उत्पादन कम रहा जबकि प्रति किलोग्राम उत्पादन लागत बढ़ी। अधिकतर लागत पहले से तय थी और कीमत में स्थिति के अनुरूप कोई वृद्धि नहीं हुई। उद्योग 2023 में घाटे में था हालांकि अब स्थिति पिछले साल से बेहतर है लेकिन उद्योग मंदी से बाहर नहीं आया है। उन्होंने कहा कि असम में उत्पादक कुछ मामूली लाभ कमा सकते हैं, लेकिन उत्तर बंगाल में वे अब भी घाटे में रहेंगे। इस साल पिछले साल की तुलना में उत्पादन में 11-12 करोड़ किलोग्राम की गिरावट होगी। चाय अनुसंधान संघ (टीआरए) ने जलवायु परिवर्तन तथा मौसम की अनियमित स्थिति के फसल उत्पादन को प्रभावित करने का दावा करते हुए कहा कि उद्योग को मृदा की गुणवत्ता को बढ़ाने, वर्षा जल संचयन के जरिये जलाशयों का निर्माण करने आदि की सलाह दी है। टीआरए सचिव जायदीप फूकन ने कहा, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से भारतीय चाय तेजी से प्रतिस्पर्धा से बाहर हो रही है। इस वर्ष कई चाय उत्पादक क्षेत्रों में तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस तक रहा और काफी लंबे समय तक वर्षा की कमी रही, जिससे गुणवत्तापूर्ण फसल के महीनों में चाय उत्पादन औसतन 20 प्रतिशत प्रभावित हुआ। भारतीय चाय निर्यातक संघ के चेयरमैन अंशुमान कनोरिया ने कहा, इस साल चाय का निर्यात अच्छा रहा है। हम कैलेंडर वर्ष 2024 को करीब 24-25 करोड़ किलोग्राम और वित्त वर्ष 2024-25 को करीब 26 करोड़ किलो के साथ समाप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं।

पूर्वांचल क्रिकेट लीग के स्टार खिलाड़ी बने प्रियांक बेगानी

कोलकाता, समाज्ञा : सुप्रसिद्ध भजन गायक देवेंद्र बेगानी के पुत्र प्रियांक बेगानी ने पूर्वांचल क्रिकेट लीग सीजन 4 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीता। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए उन्हें बेस्ट बॉलर का अवॉर्ड भी दिया गया। इस अवसर पर आयोजकों ने प्रियांक को सम्मानित किया। अनंत बागरेचा और मनोज सुराणा ने उन्हें ट्रॉफी भेंट की। प्रियांक के इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें लीग का स्टार खिलाड़ी बना दिया है। उनका प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा है।

2024 में संपत्ति कीमत बढ़ने के बावजूद आमदनी में स्थिर वृद्धि से 8 में से 7 शहरों में घर खरीदी क्षमता बढ़ी : नाइट फ्रैंक इंडिया

कोलकाता, समाज्ञा : नाइट फ्रैंक इंडिया ने अपनी रिपोर्ट, अफोर्डेबिलिटी इंडेक्स में बताया कि 2024 में घर खरीदने वालों के लिए घर खरीदने की क्षमता अनुकूल बनी हुई है, क्योंकि 2023 के अंत से ब्याज दरें तुलनात्मक रूप से स्थिर बनी हुई हैं। इस इंडेक्स के अनुसार, अहमदाबाद 20% के अफोर्डेबिलिटी रेशियो के साथ शीर्ष आठ शहरों में सबसे किफायती आवास बाजार बना हुआ है। इसके बाद, 23% के साथ पुणे दूसरे पायदान पर और कोलकाता 24% के साथ तीसरे पायदान पर है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, घर खरीदारों की मांग को बनाए रखने और बिक्री बढ़ाने में अफोर्डेबिलिटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और यह देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देती है। संपत्ति की कीमतों में काफी वृद्धि देखी गई है और आय के स्तर में भी लगातार उछाल आ रहा है, जिससे व्यक्तियों को संपत्तियों में निवेश करने के लिए आवश्यक वित्तीय आत्मविश्वास बनाए रखने में मदद मिली है।

मुथूट पप्पाचन समूह के चौथी पीढ़ी के लीडर बोर्ड में शामिल हुए

कोलकाता, समाज्ञा : 137 साल पुराने मुथूट पप्पाचन ग्रुप (एमपीजी), जिसे मुथूट ब्लू के नाम से भी जाना जाता है, ने अपनी चौथी पीढ़ी के लीडर्स को निदेशक मंडल में शामिल किया है। यह कदम समूह की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए भविष्य को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया है। नई पीढ़ी के लीडर्स टीना जॉर्ज मुथूट, थॉमस मुथूट जॉन, और सुज़ाना मुथूट कार्यकारी निदेशक के रूप में विभिन्न इकाइयों का नेतृत्व करेंगे। रितु जॉर्ज मुथूट और सुजैन जॉन मुथूट गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में योगदान देंगे। हन्ना मुथूट, मुथूट इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्कूल का नेतृत्व करेंगी। समूह के अध्यक्ष थॉमस जॉन मुथूट ने कहा कि नए लीडर्स की ऊर्जा और दृष्टिकोण से नवाचार और विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। 5,200 शाखाओं और 40,000 कर्मचारियों के साथ, एमपीजी वित्तीय सेवाओं और विविध क्षेत्रों में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

नए साल में होम मेकओवर का प्लान? अमेजन की होम शॉपिंग स्प्री से करें बड़ी बचत

कोलकाता, समाज्ञा : अमेजन के होम शॉपिंग स्प्री के साथ नए साल का जश्न धूमधाम से मनाएं, जिसमें ग्राहकों को वाटर हीटर्स, किचन एप्लाएंसेस, फर्नीचर और अन्य कई उत्पादों के विस्तृत चयन पर आकर्षक ऑफर्स और कैशबैक मिलेगा। ग्राहक 3 जनवरी से लेकर 7 जनवरी, 2025 तक ओरिएंट, हैवेल्स, बॉश, लाइफलॉन्ग और अन्य ऐसे कई शीर्ष ब्रांड्स के सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पादों पर आकर्षक डील्स का लाभ उठा सकते हैं। उपभोक्ता एचडीएफसी, आईडीएफसी और फेडरल बैंक कार्ड पर 10 प्रतिशत इंस्टैंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं, साथ ही स्पेशल कूपन के साथ अतिरिक्त कैशबैक भी पा सकते हैं। यहां अमेजन पर विक्रेताओं की रोमांचक डील्स के साथ कुछ लोकप्रिय होम, किचन और आउटडोर उत्पाद दिए गए हैं। जिसमें ओरिएंट इलेक्ट्रिक अरेवा पोर्टेबल रूम हीटर, हैवेल्स एडोनिया स्पिन 25 लीटर स्टोरेज वाटर हीटर जैसे कई उत्पाद शामिल है।

दपूरे महाकुंभ मेले के लिए रांची और टाटानगर के बीच चलाएगा स्पेशल ट्रेन

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे महाकुंभ मेले में तीर्थयात्रियों के आवागमन को आसान बनाने के लिए 13 हजार स्पेशल ट्रेनें चला रही है। दक्षिण पूर्व रेलवे तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रांची और टाटानगर से महाकुंभ मेला विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेनों को सुंदर विनाइल रैपिंग से सजाया जाएगा। रेलवे बोर्ड द्वारा विनाइल रैपिंग का डिजाइन महाकुंभ पर्व को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। महाकुंभ महोत्सव 2025 में दक्षिण पूर्व रेलवे प्रमुख योगदान दे रहा है। इसने तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए महाकुंभ के लिए उत्तर मध्य रेलवे को 15 रेक भेजने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारी कर ली है। दो रेक पहले ही भेजे जा चुके हैं और 13 रेक कुछ दिनों में भेजने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। 19 जनवरी को 08057 टाटानगर-टुंडला स्पेशल टाटानगर से 20.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.20 बजे टूंडला पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 08058 टूंडला-टाटानगर स्पेशल 21 जनवरी को 03.00 बजे टूंडला से रवाना होगी और उसी दिन 23.55 बजे टाटानगर पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन का स्टॉपेज एसईआर क्षेत्राधिकार में चांडिल, पुरुलिया और भोजुडीह में होगा। वहीं, 19 जनवरी को 08067 रांची-टुंडला स्पेशल रांची से 10.30 बजे चलेगी और अगले दिन 06.30 बजे टूंडला पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 08068 टूंडला-रांची स्पेशल 20.01.2025 को 16.20 बजे टूंडला से रवाना होगी और अगले दिन 15.50 बजे रांची पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन का स्टॉपेज एसईआर क्षेत्राधिकार में मुरी और बोकारो स्टील सिटी में होगा।

माहेश्वरी समाज द्वारा वृहद् वृक्षारोपण समारोह

कोलकाता, समाज्ञा : अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पर्यावरण चेतना एवं संवर्धन समिति द्वारा कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के समन्वय से सोमवार को वृहद् वृक्षारोपण समारोह का आयोजन हावड़ा जिले में स्थित फाउंडरी पार्क में 200 वृक्षारोपण किया गया। शकुंतला देवी बंकटलाल गग्गड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अथिति नन्द किशोर लखोटिया ने धरती माता की सुरक्षा हेतु वृक्षारोपण की ओर समाज के दायित्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं पर्यावरण चेतना समिति के सदस्य प्रवीण गग्गड़ की इस आयोजन हेतु भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप लाहोटी के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए प्रदेश के आंचलिक सदस्यों को इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजन करने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाजू ने सतीश तापड़िया द्वारा वृक्षा रोपण हेतु फाउंड्री पार्क में जगह उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद दिया एवं इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन हेतु सभी सदस्यों से आग्रह किया। कार्यक्रम में समाज के लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री सम्पत मांधना, महासभा कार्यसमिति सदस्य श्याम सुन्दर राठी, प्रदेश पूर्व अध्यक्ष भंवर लाल राठी, अन्य सदस्य श्याम सुन्दर बागड़ी, राजेश नागोरी, अशोक भट्टड़, रमेश चांडक, सूरज बागड़ी, अरुण मल्लावत, अनिल लखोटिया, भगवती प्रसाद मुंधड़ा, विकाश लाहोटी, नरेंद्र मांधना, हरीश दम्माणी, गौतम तापड़िया, माहेश्वरी जागृति क्लब हावड़ा की अध्यक्षा संगीता लखोटिया, सीमा भट्टड़, अनीता लखोटिया एवं अन्य सदस्यों ने उप-स्थित होकर आपने अपने करकमलो से वृक्षा रोपण किया।

नए साल की पूर्व संध्या पर मेट्रो में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे ब्लू लाइन पर यात्रियों की सुविधा के लिए नए साल की पूर्व संध्या पर रात में छह अतिरिक्त सेवाएं चलाने जा रहा है। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मेट्रो रेलवे भी नए साल की पूर्व संध्या पर एस्प्लेनेड, पार्क स्ट्रीट, मैदान, रवीन्द्र सदन, दम दम और दक्षिणेश्वर मेट्रो स्टेशनों पर अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने जा रहा है। 31 दिसम्बर को इन स्टेशनों पर भीड़ की आशंका को देखते हुए, सभी प्रवेश और निकास द्वारों पर अच्छी तरह से प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मियों को तैनात किया जाएगा। मेट्रो आरपीएफ इन स्टेशनों पर संभावित भारी भीड़ को प्रबंधित करने के साथ-साथ उस दिन यात्रियों की परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की व्यवस्था करेगी। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पार्क स्ट्रीट स्टेशन पर पर्याप्त महिला आरपीएफ अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। एक विशेष टीम जिसमें एक उप-निरीक्षक/सहायक उप-निरीक्षक और दो महिला कर्मचारियों सहित चार कर्मचारी शामिल होंगे, पार्क स्ट्रीट पर मौजूद रहेंगे। यह टीम किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेगी। वास्तविक समय की स्थिति पर नजर रखने के लिए नॉर्थ-साउथ मेट्रो के सेंट्रल कंट्रोल पर पर्याप्त कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। उस दिन, पार्क स्ट्रीट मेट्रो स्टेशन पर एक अधिकारी और चार कर्मचारियों की एक और विशेष टीम तैनात की जाएगी। यात्रियों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए पार्क स्ट्रीट, मैदान और एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में आरपीएफ कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। इन स्टेशनों पर एंटी सेबोटाज चेकिंग भी की जाएगी।

पटना साहिब स्टेशन पर 14 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

कोलकाता, समाज्ञा : श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की 358वीं जयंती के उपलक्ष्य में रेलवे ने पटना साहिब स्टेशन पर 14 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का दो मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 30 दिसंबर 2024 से 12 जनवरी 2025 तक प्रभावी रहेगी। अस्थायी ठहराव वाली ट्रेनों में 12361/12362 आसनसोल-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-आसनसोल साप्ताहिक एक्सप्रेस, 12333/12334 हावड़ा-प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस, 22213/22214 शालीमार-पटना-शालीमार दुरंतो एक्सप्रेस, 18449/18450 पुरी-पटना-पुरी बैद्यनाथ धाम एक्सप्रेस, 22948/22947 भागलपुर-सूरत-भागलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 13241/13242 बांका-राजेंद्र नगर टर्मिनल-बांका इंटरसिटी एक्सप्रेस, 12325/12326 कोलकाता-नंगल डैम-कोलकाता साप्ताहिक गुरुमुखी एक्सप्रेस, 12303/12304 हावड़ा-नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, 13331/13332 धनबाद-पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस, 13423/13424 भागलपुर-अजमेर-भागलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस, 22405/22406 भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल-भागलपुर गरीब रथ एक्सप्रेस, 12327/12328 हावड़ा-दे-हरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस, 12315/12316 कोलकाता-उदयपुर सिटी-कोलकाता अनन्या साप्ताहिक एक्सप्रेस, 13229/13230 गोड्डा-राजेंद्र नगर टर्मिनल-गोड्डा साप्ताहिक एक्सप्रेस शामिल है। यह निर्णय यात्रियों की सुविधा और श्रद्धालुओं को पटना साहिब गुरुद्वारे तक पहुंचने में आसानी प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है।

आविर्भाव संकल्प का गौ सेवा का कार्यक्रम संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : सामाजिक संस्था आविर्भाव संकल्प ने सोदपुर में पिंजरापोल सोसायटी गोशाला में गौ सेवा का कार्यक्रम किया। इसमें गोशाला के भंडारे में गायों के लिए चारा दान किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक श्रीमोहन तिवारी ने अध्यक्ष विजय कुमार उपाध्याय एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए कहा कि गौ सेवा से समाज को एक नई दिशा मिलेगी। इस कार्यक्रम में संस्थाध्यक्ष विजय कुमार उपाध्याय, ज्ञानप्रकाश पाण्डेय, रूपा साव, अनुष्का उपाध्याय, प्रतिमा साव, लक्ष्मी तिवारी, शिवम सिंह, विवेक तिवारी, नरसिंह साव, पीयूष उपाध्याय, राजनारायण जयसवाल, सुमंत चौबे, चंदन चौबे, आयुष उपाध्याय, मुकुल साव, जीत, राज किरण साव, जगदीश साव, प्रकाश मिश्रा आदि ने अपनी भरपूर सहयोगिता दी।

हावड़ा के शरत सदन रंगमंच पर रविवार को नृत्य कलाकारों के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'नृत्यांगन ड्रीम डांस अकादमी' की ओर से 'एपोथियोसिस' नामक द्वितीय वर्ष के कार्यक्रम में 60 विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही, इसी दिन, उन्हें वार्षिक पुरस्कार भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर चंदन महापात्रा, प्रलय शंकर मुखर्जी, अशोक दास और प्रभाकर सिंह उपस्थित थे।

सत्संग भवन सनातन धर्म, अध्यात्म, संस्कृति का त्रिवेणी संगम है

कोलकाता, समाज्ञा : ब्रह्मलीन स्वामी कृष्णानंद महाराज की निर्वाण तिथि के अवसर पर सत्संग भवन में धार्मिक कार्यक्रम भक्ति भाव से सम्पन्न हुए। वर्तमान निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती महाराज, भागव-ताचार्य स्वामी त्रिभुवन पुरी महाराज, आचार्य श्रीकान्त शास्त्री, कथाकार धर्मेशानंद महाराज, संजय ब्रह्मचारी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आचार्य देवो भव परम्-परा में आद्य शंकराचार्य एवं महामंडलेश्वर परम्परा में स्वामी कृष्णानंद महाराज का दिव्य जीवन प्रेरक है। ऐसे महापुरुष स्थितप्रज्ञ होते हैं। स्वामी कृष्णानंद शरीर से हमारे बीच नहीं है लेकिन उनका आशीर्वाद एवं प्रेरक मार्गदर्शन सत्संग भवन की सांस्कृतिक विरासत है। सत्संग भवन सनातन धर्म, अध्यात्म, संस्कृति का त्रिवेणी संगम है। सत्संग भवन के संस्थापक ब्रह्मलीन कृष्णानंद ने वेदान्त को सुलभ बनाकर सनातन धर्म का प्रचार एवं प्रवचन से श्रद्धालु भक्तों का मार्गदर्शन किया। जीवन में सफलता के लिये ईश्वर की कृपा एवं महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा जरूरी है। सत्संग भवन के ट्रस्टी पं. लक्ष्मीकान्त तिवारी, दीपक मिश्रा, श्याम सुन्दर धानुका, सत्यनारायण भट्टड़, मुकेश शर्मा, प्रदीप आसोपा, समाजसेवी शंकरलाल तिवारी, संजय उपाध्याय, प्रेमचन्द झा, भोला प्रसाद सोनकर, पवन अग्रवाल, गुड्डन सिंह, सुनील दीक्षित, अशोक शुक्ला, संगम पांडेय, अशोक तिवारी, देवेन्द्र बाजपेई, राजू शर्मा, अभय पांडेय एवं कार्यकर्ताओं ने साधु-महात्माओं एवं श्रद्धालु भक्तों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं के लिए रेलवे की 2 नई स्पेशल ट्रेनों का तोहफा

कोलकाता, समाज्ञा : हर 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले महाकुंभ मेलें में करोड़ों श्रद्धालु आतें हैं। पूर्व रेलवे ने इन श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 18 जोड़ी कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ये ट्रेनें कामाख्या और टुंडला तथा भागलपुर और कानपुर सेंट्रल के बीच चलेंगी। इस पहल से 17 हजार से अधिक बर्थ उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे तीर्थयात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। इस दौरान 04153 कानपुर सेंट्रल-भागलपुर कुंभ मेला स्पेशल, 04154 भागलपुर-कानपुर सेंट्रल कुंभ मेला स्पेशल, 05611 कामाख्या-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल, 05612 टुंडला-कामाख्या कुंभ मेला स्पेशल चलेंगी। इन ट्रेनों में जनरल सेकंड क्लास, स्लीपर क्लास और एसी कोच की सुविधा उपलब्ध होगी। टिकट की बुकिंग पीआरएस और इंटरनेट के माध्यम से की जा सकती है। इसके अलावा, पूर्व रेलवे पहले ही प्रयागराज के लिए 42 जोड़ी विशेष ट्रेनों की घोषणा कर चुका है। इनमें 11 जोड़ी ट्रेनें मालदह टाउन और प्रयागराज के बीच, 27 जोड़ी हावड़ा और टुंडला (प्रयागराज होते हुए), और 4 जोड़ी हावड़ा और भिंड (प्रयागराज होते हुए) चलेंगी। इन ट्रेनों का उद्देश्य पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत के श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज तक सुगम यात्रा सुनिश्चित करना है। ट्रेनों में समय की पाबंदी, स्वच्छता और यात्रा के दौरान उच्च सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूर्व रेलवे की यह पहल श्रद्धालुओं को महा कुंभ मेले के इस भव्य आयोजन में सहजता से शामिल होने में मदद करेगी।

पूर्व रेलवे के सियालदह डिवीजन ने शांतिपुर स्टेशन पर बहुद्देशीय स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह डिवीजन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की पहल पर हाल ही में शांतिपुर स्टेशन पर एक बहुद्देशीय स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह स्टेशन रेलवे के दूरस्थ क्षेत्रों में से एक है। शिविर का आयोजन पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक (पीसीएमडी) डॉ. अनिरुद्ध किर्तनिया और सियालदह की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. कल्पना मंडल के नेतृत्व में किया गया। इस शिविर में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों की उपस्थिति रही, जिनमें बी.आर. सिंह अस्पताल के मुख्य विशेषज्ञ-ख डॉ. शुभंकर होम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मुख्यालय के प्रभारी डॉ. पी.एस. मित्रा, सियालदह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की प्रभारी डॉ. मंदिरा बनर्जी, ऑप्थलमोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अर्नव मित्रा और राणाघाट के सीनियर डिविजनल मेडिकल ऑफिसर डॉ. जयश्री फौजदार शामिल थे। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान, विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना, रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों को आवश्यक दवाओं का वितरण करना है। इसके अलावा विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने परामर्श दिया। इस शिविर में ब्लड शुगर टेस्ट, ब्लड प्रेशर मापन, ईसीजी, मोतियाबिंद जांच और डायबिटिक रेटिनोपैथी परीक्षण जैसे डायग्नोस्टिक परीक्षण भी किए गए। शिविर के दौरान कुल 71 मरीजों को सेवाएं प्रदान की गईं। लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना की और उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक दायरे की प्रशंसा की। इसके अलावा, डॉ. अनिरुद्ध किर्तनिया ने शांतिपुर स्टेशन पर प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनमें रनिंग रूम, पैनल रूम, फर्स्ट एड बॉक्स और एआरएमई स्केल-खख शामिल थे। उन्होंने इमरजेंसी उपकरण जैसे व्हीलचेयर, स्ट्रेचर और इमरजेंसी बोर्ड की भी जांच की ताकि आपातकालीन तैयारी सुनिश्चित हो सके।

शॉल कारोबार की आड़ में आतंकियों की घुसपैठ! बनगांव नगरपालिका प्रधान का पुलिस को जांच के लिए पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : सीमा से सटे बनगांव को आतंकी घुसपैठ का डर सता रहा है। बनगांव-बागदा के कई इलाकों से बांग्लादेशी घुसपैठिये भी पकड़े जा रहे हैं। बहुत से युवा लोग बनगांव में बस गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार शॉल कारोबार की आड़ में घुसपैठ हुए जा रहा था। बनगांव के मेयर गोपाल सेठ ने उन्हें ढूंढने और जानकारी लेने की पहल की। इस संबंध में उन्होंने खुद बनगांव थाने की पुलिस को पत्र लिखा था। बनगांव के मेयर गोपाल सेठ ने लिखा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित बनगांव शहर में कश्मीर से फेरीवालों की संख्या बढ़ रही है। कश्मीर की आशा ने शॉल और सर्दियों के कपड़ों की दुकान खोली है। बनगांव में सर्दी के कपड़ों की जितनी दुकानें हैं, उतने खरीदार नहीं हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि सर्दियों के कपड़े कौन बेचने आ रहा है, इसकी नगर पालिका को कोई जानकारी नहीं है। आम लोगों की सुरक्षा के लिए इनसे पूछताछ जरूरी है। बनगांव शहर में आने वाले उन युवा फेरीवालों के बारे में जांच होनी चाहिए। बनगांव के मेयर भी बांग्लादेश के हालात से चिंतित हैं। वह इलाके के निवासियों की सुरक्षा को लेकर भी काफी चिंतित हैं। यह इलाका सीमा से कुछ ही दूरी पर है। बाहर से शॉल बेचने की आड़ में उग्रवादी वहां अपना बेस भी बना सकते हैं। कौन शॉल व्यापारी के रूप में क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है? नगर पालिका में पहचान पत्र जमा नहीं कराया गया है। इसकी जांच कराई जाए।

नकली पिता के नाम पर फर्जी आधार कार्ड बनाकर बागदा में रह रहा बांग्लादेशी घुसपैठिया गिरफ्तार

युवक बांग्लादेश से बंगाल में आधार कार्ड भी बना लिया। हालांकि उसमें पिता का नाम फर्जी था। आखिरकार इस बार रसेल नाम के बांग्लादेशी घुसपैठिए को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे उत्तर 24 परगना के बागदा थाने के दुर्गापुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। बागदा के दुर्गापुर इलाके में मसूद मंडल नाम का शख्स अपने परिवार के साथ रहता है। दो साल पहले रसेल उनके घर आने लगा। राहुल मंडल के नाम से उसने यहां एक पहचान पत्र भी बनाया था। वहां मसूद मंडल को पिता के रूप में दिखाया गया है। पहचान पत्र में उस घर का पता इस्तेमाल किया गया था। रविवार रात थोड़ी देर बाद पुलिस ने उस घर पर छापा मारा। जैसे ही परिजनों से पूछताछ शुरू हुई तो कई विसंगतियां सामने आईं। और तनाव बढ़ाने के लिए, नकली पहचान पत्र केवल तीन महीने पहले बनाया गया है। उस युवक का असली नाम मेहबूब हुसैन रसेल है। बांग्लादेश के जेसोर जिले के चौगाचा इलाके में घर। वह सीमा पार अपनी पहचान क्यों छुपा रहा था? यहाँ रहने का उद्देश्य क्या है? क्या उसका उग्रवादी गतिविधियों से कोई संबंध है? जांचकर्ताओं के मन में ये सवाल हैं। मसूद मंडल ने एक घुसपैठिए को घर में रहने की इजाजत क्यों दी? क्या युवक का उससे कोई रिश्तेदार है? पुलिस उन मामलों पर भी गौर कर रही है। उस शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया गया। सोमवार को दोनों को कोर्ट में पेश किया गया।

गरफा में बहुमंजिला इमारत के नीचे से मिला बीमा एजेंट का शव

☛ हत्या या आत्महत्या, गहराया रहस्य

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में एक और शख्स की रहस्यमयी मौत हो गया। उसे गरफा थाने के सामने एक बहुमंजिला इमारत के नीचे से लहूलुहान हालत में बचाया गया। इस घटना के पीछे आत्महत्या है या कुछ और इसकी जांच की जा रही है। सुतीर्थ घोष का अट्ठाईस वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह गरियाहाट के खान रोड का रहने वाला है। पेशे से बीमा एजेंट हा। सोमवार को उसका शव गरफा थाने के सामने एक बहुमंजिला इमारत के नीचे से बरामद किया गया। स्थानीय निवासियों ने उसका शव पड़ा देखा। उस वक्त पूरा शरीर खून से लथपथ था। सूचना मिलने के बाद गरफा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या या आत्महत्या एक रहस्य है। इससे पहले 23 दिसंबर को नेताजी सुभाष चंद्र रोड पर एक बहुमंजिला इमारत के नीचे से एक वृद्ध का रक्तरंजित शव बरामद किया गया था। उस दिन दोपहर करीब दो बजे स्थानीय लोगों ने बहुमंजिला इमारत के नीचे एक बुजुर्ग व्यक्ति को पड़ा हुआ देखा। शरीर खून में तैर रहा है। पैर, कमर झुकी हुई। उसकी बेल्ट उसके शरीर से थोड़ी दूर पड़ी हुई थी। हेयर स्ट्रीट थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले साल्ट लेक सेक्टर 5 में परिभा चट्टोपाध्याय नाम के युवक ने एक बहुमंजिला इमारत की छठी मंजिल से छलांग लगा दी थी। मुकुंदपुर निवासी युवक ने आत्महत्या कर ली। जांचकर्ताओं को पता चला कि परभ ने रुपए का ऋण लिया था। तभी से वह आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे थे। वह कर्ज नहीं चुका सका। इसके चलते वह डिप्रेशन का शिकार हो गया था। उस दिन युवक ने अपनी प्रेमिका को आर्थिक परेशानी के बारे में बताया और कुछ ही पलों में अतिवादी फैसला लिया। हालात कि, सोमवार की गरफ़ा पूर्वांचल की घटना का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है।

ऑटो से पॉकेटमारी, अलीपुर से तीन गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : ऑटो यात्री के बैग से नक़दी चोरी कर ली गई है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, गत 12 दिसम्बर को बड़ाबाजार थानांतर्गत वासुदेव सरकार (51) ने शिकायत दर्ज कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात आरोपी व्यक्ति ने उसके बैग से नकदी निकाल ली। वह सियालदह से ऑटो से यात्रा कर रहा था। बड़ाबाजार और उसे एमजी रोड पर पगियापट्टी के सामने इसका एहसास हुआ। इस मामले में रेनू स्वामी, शांति स्वामी व रेखा स्वामी को गिरफ्तार किया गया। उनलोगों को 29 दिसंबर को अलीपुर से गिरफ्तार किया गया। वे हुगली के रहने वाले है।

हाईकोर्ट का आदेश, 8 जनवरी तक अर्जुन सिंह के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व सांसद अर्जुन सिंह पर पुलिस पर परेशान करने का आरोप है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 27 जनवरी तक जांच पर अंतरिम रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री का अपमान करने के आरोप में बैरकपुर कमिश्नरेट के खुफिया विभाग ने अर्जुन सिंह को तलब किया था। कथित तौर पर, भाटपाडा पुलिस स्टेशन के ओसी अर्जुन सिंह को 21 दिसंबर को परेशान किया गया था जब वह नोटिस देने गए थे। इसके बाद भाटपाड़ा थाना पुलिस ने सैकड़ों प्रेरित मामले दर्ज कर जांच शुरू की। अर्जुन सिंह ने इस शिकायत को खारिज करने का अनुरोध करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायाधीश शंपा दत्ता पाल ने उस मामले में आवेदन पर 27 जनवरी तक अंतरिम रोक लगा दी। इस मामले की अगली सुनवाई जस्टिस तीर्थंकर घोष की बेंच में होगी। मुख्यमंत्री के खिलाफ विवादित टिप्पणी को लेकर भाटपाड़ा नगर पालिका के तृणमूल पार्षद अभिमन्यु तिवारी ने बुधवार को जगद्दल थाने में शिकायत दर्ज करायी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने उस जाँच पर अंतरिम रोक लगा दी। वहीं, भाटपाड़ा के बीजेपी नेता अर्जुन सिंह पर नगर पालिका का चेयरमैन रहते हुए आर्थिक धन लेने का आरोप लगा है। उस शिकायत पर सीआईडी ने समन भेजा था। अर्जुन ने शनिवार को उस कॉल का जवाब नहीं दिया। बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह शुक्रवार के बाद शनिवार को भी उपस्थित होने से बचते रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में हंगामा, हथिया दिखाकर डराने के आरोप में एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान हंगामा हो गया। इस घटना को केंद्रकर कोलकाता में सार्वजनिक रूप से एक युवक अपनी बन्दूक लेकर सामने आ गया। हरिदेबपुर इलाके में हुई घटना में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह कारण अभी अज्ञात है कि उसने अचानक बंदूक से हमला क्यों किया? इस घटना से इलाके में काफी सनसनी फैल गई है। आम लोग डरे हुए हैं। लिखित शिकायत के आधार पर हरिदेबपुर थाने की पुलिस ने जांच शुरू की। हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ कर पूरे मामले का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना रविवार की है। हरिदेबपुर के जगरानी सांस्कृतिक संघ के मैदान में दो टीमों का क्रिकेट टूर्नामेंट चल रहा था। मैदान पर खेल के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच थोड़ी देर के लिए बहस शुरू हो गई। आरोप है कि रोकने की कोशिश के बीच अचानक एक युवक ने अपनी जेब से पिस्तौल निकाल ली। मैदान में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

आरोप है कि विवाद में एक पक्ष को डराने के लिए दूसरे पक्ष के सदस्य ने ऐसा किया है। ऐसे में खुलेआम असलहा लहरा रहे युवक के खिलाफ तत्काल थाने में लिखित शिकायत की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखकर जांच की और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। उनके हाथ में बंदूक दिखी। इस घटना में इलाके की सुरक्षा के अलावा यह भी सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर बंदूकें हाथ से हाथ कैसे आ रही हैं? अपराधी कहीं भी आग्नेयास्त्र से डराने-धमकाने का काम करते हैं। वे क्रिकेट के मैदान पर कैसे बेलगाम हो गए, पहले से कोई सुरक्षा जांच क्यों नहीं की गई, ये सवाल भी उठ रहे हैं। हरिदेबपुर थाने की पुलिस हर बात की जांच कर रही है। जांचकर्ता यह जानने को बेताब हैं कि गिरफ्तार युवक के पास हथियार कहां से आया। यह स्रोत दिखाता है कि कितने हथियार शहर में प्रवेश कर रहे हैं।

भूमि विवाद मामले में मालदह के तृणमूल विधायक को हाईकोर्ट से मिली राहत

❑ **जमीन हड़पने के मामले में विधायक को 24 फरवरी तक सुरक्षा**

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल जिला अध्यक्ष और मालतेपुर के विधायक अब्दुर रहीम बक्सिर के मामले पर रोक लगा दी। हाल ही में, अब्दुर जमीन हड़पने के एक मामले में हाईकोर्ट में पेश हुए थे। सोमवार को इसी मामले में जस्टिस शंपा दत्ता पाल ने विधायक को 24 फरवरी तक सुरक्षा दी। इस दौरान, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। मामले की आगे की सुनवाई जल्द हो सकती है। उल्लेखनीय है किएक साल पहले मालतेपुर के विधायक पर जमीन कब्जाने का आरोप लगा था। चांचल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। दूसरी ओर अब्दुर ने अदालत से शिकायत खारिज करने की अपील की। सरकारी वकील ने सोमवार को हाई कोर्ट में जवाबी मामला दाखिल कर जज का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। सारी बात सुनने के बाद जज ने मामले की इजाजत दे दी। उन्होंने कहा कि शीघ्र सुनवाई के अनुरोध पर भी विचार किया जाएगा। लेकिन शिकायत खारिज नहीं की गई। ढाई साल पहले मालतेपुर विधायक अब्दुर को तृणमूल ने मालतेपुर जिला अध्यक्ष बनाया था। अब्दुर 2016 के विधानसभा चुनाव में आरएसपी के उम्मीदवार थे। तृणमूल जिला अध्यक्ष बनने के बाद से अब्दुर अपनी विवादित टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। पार्टी की विभिन्न सभाओं में विरोधियों की कभी कमर, दांत, कभी हाथ-पैर तोडने तो कभी आंखें, जीभ निकाल लेने की धमकी देकर वह विवादों में घिरते रहे हैं।

निर्माणाधीन मकान का दीवार गिरने से मजदूर की मौत

बांकुडा : काम के दौरान दुर्घटना में एक मजदूर की जान चली गई। घर में मरम्मत कार्य करते समय दीवार गिरने से मजदूर की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह बांकुडा शहर के डोलताला इलाके में हुई।अग्निशमन विभाग और पुलिस की मदद से टूटी दीवार हटाकर मजदूरों को बचाया गया, लेकिन आखिरी बचाव नहीं हो सका। पुलिस ने बताया कि मृत कर्मी का नाम बांकुड़ा शहर के श्यामदासपुर इलाके की रहने वाली शांति गराई (35) है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बांकुडा शहर के डोलताला इलाके में पिछले कुछ दिनों से सुकुमार बनर्जी नाम के शख्स के घर का नवीनीकरण किया जा रहा था।

सोमवार सुबह घर के रास्ते में एक गली में मरम्मत का काम शुरू हुआ। अचानक कंक्रीट की एक बड़ी दीवार ढह गई। शांति गराई नाम का मजदूर नीचे गिर गया। शोर सुनकर स्थानीय लोग दौड़ पड़े। लेकिन कोई उसकी जान नहीं बचा सका। सूचना पाकर अग्निशमन विभाग और बांकुड़ा सदर थाने की पुलिस मौके पर आई। दमकलकर्मियों ने दीवार से मलबा हटाया और मजदूर को मृत अवस्था में बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए बांकुडा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। बताया जाता है कि दीवार का एक बड़ा हिस्सा पुराना होने के कारण कमजोर हो गया है। इससे दीवार गिरने से मजदूर की मौत हो गई।

कांथी सहकारी बैंक चुनाव रद्द करने की मांग, भाजपा ने कोर्ट का किया रुख

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता शंकर बेरा समेत 51 भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को कलकत्ता हाई कोर्ट का सामना करना पड़ रहा है। वादियों ने चुनाव में व्यापक हेरफेर, आतंकवाद और धांधली का आरोप लगाते हुए वोट रद्द करने की मांग की। सोमवार को शंकर बेरा समेत 51 भाजपा समर्थित उम्मीदवार जस्टिस शंपा दत्ता पाल की अदालत में गए। वादियों ने दावा किया कि तृणमूल नेता सुप्रकाश गिरि के सीधे समर्थन से कांथी सहकारी बैंक चुनाव में आतंक फैला था। दावा किया जा रहा है कि चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली, आतंकवाद और हेराफेरी हुई है। इसलिए वादकारियों ने चुनाव रद्द करने की मांग की। न्यायाधीश के आदेश के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज सहित सभी चुनाव दस्तावेजों

को संरक्षित किया जाना चाहिए। हालांकि, राज्य ने बताया है कि सीसीटीवी फुटेज पहले ही सेव कर लिया गया है। जज ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई रेगुलर बेंच में होगी। ध्यान दें कि सहकारी बैंक चुनाव में सीटों की कुल संख्या 108 है। जहां कुल 381 उम्मीदवार तृणमूल, भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के समर्थन से चुनाव लड़ रहे हैं। कुल मतदाता 80 हजार 480 लोग हैं।

ममता के दौरे के पहले संदेशखाली आंदोलन के नेता सुजय 'मास्टर' ने तृणमूल का दामन थामा

कोलकाता, समाज्ञा : संदेशखाली के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव तब देखने को मिला जब सुजय मंडल उर्फ 'सुजय मास्टर' ने पार्टी का झंडा थामा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सोमवार को संदेशखाली दौरा किया। उसके ठीक पहले उनकी जॉइनिंग हुई है। बता दें कि सुजय मास्टर राज्य सरकार के स्कूल में पारा शिक्षक हैं। एक समय वे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हुए थे। बाद में, उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का हिस्सा बनकर संदेशखाली में सक्रिय भूमिका निभाई। हालांकि, स्थानीय नेताओं शाहजहां शेख, उत्तम सरदार और शिबू हाजरा के खिलाफ आवाज उठाने के चलते उनका तृणमूल से टकराव हो गया। यही नहीं, इन नेताओं के कथित

'अत्याचारों' के खिलाफ उन्होंने महिलाओं को संगठित किया, जिसके चलते उन्हें जेल भी जाना पड़ा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संदेशखाली दौरे से पहले तृणमूल के कार्यालय में सुजय मास्टर ने औपचारिक रूप से पार्टी में वापसी की। स्थानीय नेताओं की उपस्थिति में उन्होंने तृणमूल का झंडा थामा। भाजपा नेता और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सुजय तो तृणमूल के ही व्यक्ति थे। लोकसभा चुनाव के समय भी वे तृणमूल के साथ थे। उन्होंने मुझसे कुछ दिन पहले कहा था कि वे दबाव में हैं। मैंने उन्हें अपनी मर्जी से निर्णय लेने को कहा।

कार में मिला नोटों का पहाड़, अंडाल में 20 लाख के साथ चार गिरफ्तार

दुर्गापुर : आधी रात को पुलिस ने सड़क पर खड़ी कार की तलाशी ली। उस ऑपरेशन में पुलिस ने 'डकैती कर वसूली' करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया था। बीस लाख नकद और डकैती में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई है। रविवार की रात अंडाल थाना क्षेत्र के काजी नजरूल इस्लाम एयरपोर्ट की सड़क पर एक चारपहिया वाहन खड़ा था। विशेष सूत्र से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वाहन के अंदर तलाशी ली गई। बीस लाख रुपए नकद बरामद किए गए। चार मोबाइल फोन, रॉड, हथौड़ी, लाठी और अन्य सामान जब्त किया गया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधियों में बीरभूम के नलहटी थाना क्षेत्र के सागर यादव, अंडाल थाना के काजोरा कोलियरी क्षेत्र के राकेश कुमार नुनिया, प्रिंस विश्वकर्मा और अविनाश कुमार नुनिया शामिल हैं। सोमवार को जब गिरफ्तार लोगों को दुर्गापुर महकमा अदालत में लाया गया, तो गिरफ्तार लोगों को चार दिनों तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया गया।

बर्दवान में मां-बेटी की रहस्यमय मौत

बर्दवान : बर्दवान में मां-बेटी की रहस्यमय मौत हो गई। किराए के मकान से लटका हुआ शव बरामद किया गया। इस घटना से बर्दवान के बादशाही रोड पर हंगामा हो गया। ज्ञात हो कि मृतिका का नाम ममनी बर्मन है। उम्र 40 साल है। दरअसल महिला सुंदरबन के पाथरप्रतिमा की रहने वाली है। स्वामी प्रभंजन बर्मन एक रेलवे कर्मचारी हैं।नौकरी के चलते वह बर्दवान के बादशाही रोड पर किराए पर रहता था। सोमवार दोपहर बाद भी ममनी ने कोई जवाब नहीं दिया तो पड़ोसियों को शक हुआ। कॉल करने से कोई फायदा नहीं हुआ। कुछ बिंदु पर, संदेह पैदा होता है। फिर पुलिस को सूचना दी गई। भयानक मंजर जब पुलिस ने जाकर तोड़ा दरवाजा। इसमें देखा जा सकता है कि मामनी और उसकी चार साल की बेटी प्रज्ञा एक ही साड़ी में फंदे से लटकी हुई हैं। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे मृतक के परिवार से बात कर रहे हैं।

सड़क सुरक्षा और सड़क दुर्घटना जागरूकता: एक डॉक्टर का दृष्टिकोण

कोलकाता, समाज्ञा : दुनिया भर में हर दिन आपातकालीन कक्षों में डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिक्स सड़क दुर्घटनाओं के विनाशकारी परिणामों को देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप जीवन-घातक चोटें, विकलांगता और जीवन की हानि होती है। सड़क दुर्घटनाएं चोट और मृत्यु के सबसे रोके जा सकने वाले कारणों में से हैं। वैश्विक स्वास्थ्य आंकड़ों के अनुसार, सड़क यातायात दुर्घटनाओं के कारण प्रति वर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं, जो इसे दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक बनाती है। मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, कोलकाता में सलाहकार आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. कौस्तव देबनाथ सड़क सुरक्षा की महत्वपूर्ण प्रकृति पर जोर देते हैं। डॉ. देबनाथ ने निष्कर्ष निकाला, मेरी भूमिका चोटों का इलाज करने तक सीमित नहीं है। मैं निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व में दृढ़ता से विश्वास करता हूं, जिसमें सड़क सुरक्षा के बारे में जनता को शिक्षित करना शामिल है। मानव शरीर और उन तरीकों को समझकर जिनसे सड़क दुर्घटनाएं नुकसान पहुंचाती हैं, हम सड़क पर सुरक्षित प्रथाओं को अपनाने की तात्कालिकता के बारे में बेहतर ढंग से बता सकते हैं।

मेमारी स्टेशन पर ट्रेन से कटकर दो महिलाओं की मौत

पूर्व बर्दवान : हावड़ा बर्दवान(मेन) शाखा के अंतर्गत मेमारी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रविवार की रात रेलवे लाइन पर करते समय ट्रेन की चपेट में आकर दो महिलाओं की मौत हो गई। रेलवे पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृत महिलाओं के नाम झरना भुइंया (40) और पाखी भुइंया (38) थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बांकुड़ा जिले के खातड़ा से एक बच्चे समेत छह लोग हुगली जिले ख्यानयान में एक रिश्तेदार के घर जा रहे थे। वे बांकुड़ा-माशाग्राम शाखा के माशाग्राम स्टेशन पर उतरे और सड़क मार्ग से मेमोरी स्टेशन गए। इसके बाद, वे मेमोरी स्टेशन पर टिकट खरीदकर ओवरब्रिज पर न चढ़कर रेलवे लाइन पार कर रहे थे। उस वक्त एक बच्चे समेत चार लोग तो प्लेटफॉर्म पर चढ़ गये लेकिन बाकी महिलाएं रेल ट्रक से प्लेटफॉर्म पर नहीं चढ़ पाईं। इसी समय प्लेटफार्म संख्या एक पर आ रही अप हावड़ा-मालदा टाउन इंटरसिटी एक्सप्रेस ने दोनों महिलाओं को चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर मेमारी स्टेशन की ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया।

नंदीग्राम में भाजपा नेता के घर के सामने से बम बरामद

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के नंदीग्राम में महिला भाजपा नेता मामनी जाना के घर के सामने से सोमवार को बम बरामद किया गया। इस मामले को लेकर इलाके में राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। भाजपा का आरोप है कि इस घटना के पीछे तृणमूल का हाथ है। हालांकि भाजपा के इस आरोप को स्थानीय तृणमूल नेतृत्व ने बेबुनियाद बताया है। सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सुबह में नंदीग्राम के समसाबाद ग्राम पंचायत क्षेत्र अंतर्गत अमगेचिया गांव में स्थानीय भाजपा नेता मामनी जाना के घर के बाहर ताजा बम देखा गया। यह खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। बम वहां किसने रखा, इस बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि इसके पीछे तृणमूल का हाथ है। बीती रात इलाके में एक स्थानीय महिला ने मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को देखा। इसकी जानकारी जब लोगों को हुई तो वे वहां से भाग गये। इसके बाद सुबह घर के सामने बम पड़ा मिला। मामनी जाना ने कहा कि तृणमूल के लोग पहले भी कई बार उन पर हमला कर चुके हैं। उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि तृणमूल से जुड़े बदमाश कल रात उन पर हमला करने के लिए उनके घर के सामने आए। सुबह पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बम बरामद किया है।

बदमाशों के बढ़ते हौसले, वृद्ध से दिनदहाड़े लूटपाट, लोगों में फैला दहशत

हुगली, समाज्ञा : बैंक से आवास योजना की पहली किस्त की राशि निकालकर लौटते समय एक वृद्ध से लूटपाट की घटना सामने आयी है। जनबहुल इलाके में हुई इस घटना से लोगों में दहशत कायम है। बताया जा रहा है कि एक वृद्ध के पैसे से भरा बैग छीनकर बाइक सवार दो बदमाश फरार हो गए। घटना सोमवार दोपहर 12 बजे गोघाट के कामारपुकुर में घटी। जानकारी के अनुसार, गोघाट के मंदारन इलाके के निवासी सहदेव राय अपनी विवाहित बेटी के साथ कामारपुकुर बैंक गए थे। वहां से पैसे निकालने के बाद घर बनाने के ठेकेदार को देने के लिए कामारपुकुर-बेंगाई रोड पर पैदल जा रहे थे। तभी बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोका। बदमाश वृद्ध की बेटी के पास मौजूद पैसे से भरा बैग छीनने लगे। बेटी ने बैग नहीं छोड़ा तो उसे काफी दूर तक घसीट कर ले गए। इस दौरान एक बदमाश बाइक से गिर भी गया। आखिरकार बदमाश बैग छीनने में कामयाब रहे और तेजी से बाइक चलाकर भाग निकले। इस घटना से इलाके में भारी सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही गोघाट थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। बैग में पैसे के अलावा मोबाइल और बैंक का पासबुक भी था। घर बनाने के लिए निकाले गए पैसे गंवाने के कारण वृद्ध और उनका परिवार सदमे में है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आंखों के बदल जाने से आंसुओं का ख़ारापन नहीं चला जाता : मृत्युंजय कुमार सिंह

कोलकाता, समाज्ञा : सांस्कृतिक पुनर्निर्माण मिशन की ओर से आयोजित 30वें हिंदी मेला के पांचवें दिन आशु भाषण, कविता कोलाज एवं कोलकाता कविता उत्सव का आयोजन किया गया। आशु भाषण में विभिन्न समसामयिक विषयों पर और कविता कोलाज में विभिन्न कवियों की कविताओं पर भावपूर्ण प्रस्तुति हुई।बतौर मुख्य अतिथि प्रो.दामोदर मिश्र ने कहा हिंदी मेला का यह सांस्कृतिक मंच मनुष्य गढ़ने का एक बड़ा माध्यम है।इस अवसर पर डॉ कुलदीप कौर, डॉ तूलिका भट्टाचार्य, डॉ इबरार खान, रंगकर्मी महेश जायसवाल,कवि राज्यवर्धन और कवयित्री मंजु श्रीवास्तव बतौर निर्णायक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन उत्तम ठाकुर, राहुल

गौड़, शशांक गुप्ता, सपना खरवार ने किया तथा डॉ. सुमिता गुप्ता, सूर्यदेव राय, शिवानी मिश्र, सपना खरवार, कंचन भगत, मंगल पांडे, लक्खी चौधरी, अनुराधा भगत, सुजाता महतो, विकास जायसवाल, स्वीटी महतो, दिनेश साव, प्रो.मंटू दास, असित पांडे, कामना दीक्षित, कंचन भगत ने विशेष सहयोग दिया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजेश मिश्र ने दिया। इस अवसर पर उपस्थित थे वरिष्ठ आलोचक विजय बहादुर सिंह, सदानंद शाही, गोपेश्वर सिंह, उदयभानु दुबे, शिवकुमार यादव, डॉ. कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, डॉ. पूजा पाठक, डॉ. गुलनाज बेगम और महेश कुमार।

मुर्शिदाबाद में पिकनिक करने गए व्यक्ति की रहस्यमय मौत

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद जिले के बड़ा बड़ुंचा थाना क्षेत्र के गौरिनगर गांव में एक व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक के परिवार ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना रविवार रात की बताई जा रही है, जब मृतक देवब्रत घोष (42) को पिकनिक करने के लिए घर से बुलाया गया था। परिवार के अनुसार, देवब्रत के भांजे और भतीजे ने उसे घर से बाहर बुलाकर अपने घर ले गए, जहा शराब और मांस की दावत चल रही थी। वहीं, पुराने विवाद के चलते झगड़ा शुरू हुआ, और उसी दौरान देवब्रत की हत्या कर दी गई। मृतक की पत्नी का आरोप है कि यह हत्या एक साजिश के तहत की गई है। घटना के बाद से मृतक के आरोपी फरार हो गए हैं। पुलिस ने शव को बरामद कर लिया और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए कंडी महकमा अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी है। मृतक के परिवार ने आरोप लगाया है कि यह हत्या पूरी तरह से योजनाबद्ध तरीके से की गई थी।

तलाक के बाद भी पूर्व पति ने पत्नी के घर पर की बमबारी

मालदह : डकैती या आतंकी हमला नहीं वैवाहिक कलह के कारण आधी रात को बम गिरा। एक नहीं बल्कि दो-दो धमाकों से पूरा गांव दहल उठा। मालदह जिले के हरिश्चंद्रपुर थाना अंतर्गत झिकोडंगा गांव की घटना घटी। पूर्व पति पर देर रात अपनी पत्नी के घर पर बम फेंकने का आरोप था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पड़ोसी रहमतपुर के रहीम अली की शादी करीब 10 साल पहले झिकोदंगा गांव की हलीमा परवीन से हुई थी। दो साल पहले उनका तलाक हो गया। उनके दो बच्चे हैं। वर्तमान में वे रहीम के पास रहते हैं। आरोप है कि तलाक के बाद से रहीम अली हलीमा को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इससे कई बार दिक्कत हो चुकी है।

कुलपी में पिकनिक मनाने गया युवक डूबा

कोलकाता, समाज्ञा : पिकनिक मनाने के दौरान एक युवक हुगली नदी में डूब गया। यह घटना से कुलपी थाना क्षेत्र के बेलपुकुर इलाके के पहेला घेरी में दहशत फैल गई। लापता युवक सत्यजीत मंडल (18) निशितपुर इलाके का रहने वाला है। मालूम हो कि सत्यजीत मंडल अपने परिवार और दोस्तों के साथ कुलपी के पहेला घेरी में हुगली नदी के किनारे पिकनिक मनाने गए थे। सत्यजीत मंडल दोपहर के समय अपने दोस्तों के साथ हुगली नदी में स्नान कर रहा था। उस समय जब एक जहाज हुगली नदी में गया तो वह जहाज की लहरों में डूब गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। कुलपी पुलिस मौके पर गई। लापता युवक की तलाश में प्रशासन हुगली नदी में सर्च अभियान चला रहा है।

न्यूज इन ब्रीफ

पीलीभीत में पांच दिन से लापता किसान मृत मिला, बाघ के हमले का संदेह

पीलीभीत (उप्र) : उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के हजारा थाना इलाके में पांच दिन से लापता किसान का शव रविवार देर शाम एक गन्ने के खेत से बरामद किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। हजारा थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) प्रकाश सिंह ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मृतक की पहचान कन्हैया सिंह (38) के रूप में हुई है।

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी, अनेक स्थानों पर घने से अति घना कोहरा छाया

जयपुर : राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ पूर्वी हिस्सों और पश्चिमी हिस्सों के कुछ स्थानों पर शीत दिन से अति शीत दिन दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, सोमवार की सुबह जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, चूरू, श्रीगंगानगर, बाड़मेर, जयपुर, कोटा, अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, सीकर में कोहरा दर्ज किया गया। घने कोहरे के कारण राजमार्गों पर वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कोहरे और शीतलहर के चलते सोमवार की सुबह गलन का एहसास हुआ। विभाग के अनुसार, राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान सिरोही में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सपा ने संभल हिंसा में मारे गये लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये दिए

संभल (उप्र) : समाजवादी पार्टी (सपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में संभल पहुंच कर पिछले माह हुई हिंसा में मारे गये लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक वितरित किए। पार्टी ने यह जानकारी दी। इस दौरान पांडेय ने पुलिस पर मुसलमानों के उत्पीड़न का आरोप लगाया। पुलिस के मुताबिक, संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद के दूसरी बार सर्वेक्षण के बाद हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

बीपीएससी परीक्षा मामला: राज्यपाल और मुख्य सचिव के हस्तक्षेप के बावजूद गतिरोध जारी

पटना : बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई को तलब किए जाने और मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा द्वारा प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग के साथ बातचीत किए जाने के बावजूद हाल में हुई बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर गतिरोध सोमवार को भी जारी रहा। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वे नीतीश कुमार सरकार को ''48 घंटे का समय दें और यदि इस समय तक कोई समाधान नहीं निकलता है तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू कर सकते हैं।'' मीणा से मिलने वाले प्रतिनिधियों में किशोर के पार्टी सहयोगी एवं सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आर. के. मिश्रा शामिल थे। किशोर ने प्रतिनिधियों द्वारा जानकारी दिए जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''मुख्य सचिव ने धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी है। वे किसी समाधान तक नहीं पहुंच सके क्योंकि यह ऐसा निर्णय है जिसके लिए मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी, जिनके आज रात दिल्ली से लौटने की उम्मीद है।''

अभ्यर्थियों को बिहार पीएससी परीक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का संदेह है: प्रशांत किशोर

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें पता चला है कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा के जरिए भरे जाने वाले पदों के लिए हजारों करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ है। किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लगभग दो सप्ताह से चल रहे आंदोलन पर एक भी शब्द नहीं बोलने पर भी निराशा व्यक्त की। वह कुमार के कभी करीबी सहयोगी हुआ करते थे।

पंजाब सरकार की टीम ने डल्लेवाल से फिर मुलाकात की, चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने के प्रयास जारी

चंडीगढ़/पटियाला : अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल ले जाने के लिए उच्चतम न्यायालय की समय सीमा तेजी से नजदीक आने के बीच सोमवार को पंजाब सरकार ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने के प्रयास तेज कर दिए। हालांकि, उन्होंने फिर से इनकार कर दिया। पिछले कुछ दिनों में पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जसकरण सिंह के नेतृत्व में राज्य सरकार की एक टीम ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने के कई प्रयास किए हैं, जिनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल सोमवार को 35वें दिन में प्रवेश कर गई। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में पंजाब सरकार को डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया है, साथ ही राज्य सरकार को आवश्यकता पड़ने पर केंद्र से सहायता लेने की भी छूट दी है।

न्यूज अपडेट

बिहार में 2024 में 'डिजिटल अरेस्ट' के 301 मामले दर्ज हुए

पटना : बिहार में 2024 में 'डिजिटल अरेस्ट' के 301 मामले दर्ज किए गए जिनमें पीडितों से 10 करोड़ रुपये की ठगी की गई। 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी का नया तरीका है। ऐसे मामलों में ठग खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर लोगों को ऑडियो या वीडियो कॉल करके डराते हैं और उन्हें उनके घर में डिजिटल तौर पर बंधक बना लेते हैं। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू, साइबर सेल) के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मानवजीत सिंह ढिल्लों ने संवाददाताओं से कहा, ''राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर पर इस साल बिहार से संबंधित 'डिजिटल अरेस्ट' के कुल 301 मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में 10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की बात सामने आई है।'' उन्होंने बताया कि शिकायतें दर्ज होने के बाद साइबर प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जब्त कर ली है। डीआईजी ने कहा, ''संबंधित अधिकारियों और आंकड़ों विश्लेषण से पता चला है कि अधिकांश धोखाधड़ी में पीड़ितों को कॉल दक्षिण पूर्व एशियाई देशों जैसे कंबोडिया, म्यांमा, थाईलैंड, वियतनाम और लाओस से आए। हम बिहार के लगभग 374 लोगों का विवरण भी जुटा रहे हैं जो दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में गए, लेकिन अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वहीं रह रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि ऐसी सूचनाएं हैं कि ये लोग राज्य के युवाओं को फंसा रहे हैं। डीआईजी ने कहा कि बिहार पुलिस के ईओयू की साइबर प्रकोष्ठ इकाई ने युवाओं को दक्षिण पूर्व एशिया में नौकरी के नाम पर जालसाजी के बढ़ते मामलों को लेकर चेतावनी दी है और नौकरी के प्रस्ताव तथा एजेंटों का सत्यापन करने का आग्रह किया है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर बारात नहीं लाने को लेकर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

भदोही (उप्र) : भदोही जिले के ज्ञानपुर क्षेत्र में दहेज में 10 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर बारात लेकर नहीं आने के आरोप में अदालत के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। ज्ञानपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार दुबे ने सोमवार को बताया कि मिर्जापुर जिले के चील्ह थाना क्षेत्र के मटियारी गांव के निवासी रविकांत दुबे की याचिका पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (महिला उत्पीड़न) की अदालत ने गत 28 दिसंबर को कांवल निवासी ओम प्रकाश मिश्रा और उसके बेटों अखिलेश तथा बृजेश के खिलाफ भारतीय दंड विधान और दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके अनुपालन में 29 दिसंबर को प्राथमिकी पंजीकृत कर ली गयी है। प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार दुबे ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बताया कि कांवल गांव के रहने वाले ओम प्रकाश मिश्रा के बेटे बृजेश कुमार मिश्रा (28) की शादी मिर्ज़ापुर के रहने वाले दुबे की बेटी प्रज्ञा से 18 अप्रैल 2024 को होनी थी। उनके मुताबिक इसी सिलसिले में दुबे 15 दिसंबर 2023 को कांवल गांव में वर बृजेश के आवास पर तिलक रस्म पूरा करने आये थे।

फर्जी प्रमाणपत्र बनाने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

बलिया (उप्र) : उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने फर्जी निवास प्रमाण-पत्र और आधार कार्ड तैयार कराकर उत्तर प्रदेश के युवाओं को अवैध तरीके से पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में रेलवे और सेना की प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित कराने वाले एक अंतरराज्यीय संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के मुखिया को बलिया में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने बलिया शहर कोतवाली के जमुई गांव से रविवार को छापेमारी कर शशि भूषण उपाध्याय नामक एक जालसाज को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एसटीएफ के निरीक्षक पुनीत परिहार की तहरीर पर बलिया शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि एसटीएफ की वाराणसी इकाई को सूचना मिली थी कि बलिया जिले के आसपास के क्षेत्र से उत्तर प्रदेश के निवासी अभ्यर्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल खासकर कोलकाता का फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनवाकर इस्तेमाल में ला रहे हैं। इसमें एक संगठित गिरोह कार्य कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि छानबीन के दौरान यह बात सामने आयी कि शशि भूषण उपाध्याय नामक व्यक्ति सेना, रेलवे और अन्य सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में शामिल कराने के लिए लोगों का फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनवाता है।

समय से हो विश्वविद्यालयों का निर्माण, गुणवत्ता का अनिवार्य रूप से हो पालन : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि निर्माणाधीन विश्वविद्यालयों का निर्माण समय से हो और उसमें गुणवत्ता का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने सोमवार को तीन नए विश्वविद्यालयों (मां पाटेश्वरी विवि बलरामपुर, मां विंध्यवासिनी विवि मिर्जापुर व गुरु जंभेश्वर विवि मुरादाबाद) के भवन निर्माण की प्रगति, कर्मचारियों की व्यवस्था व संचालन के संबंध में समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कुलपतियों से वहां कराए जा रहे निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कुलपतियों से कहा कि निर्माण कार्य समय से हो और इसमें गुणवत्ता का हर हाल में ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से कराए जाएं और पहले चरण में एकेडमिक व प्रशासनिक भवन का निर्माण कराया जाए। बयान के मुताबिक, योगी ने कहा कि द्वितीय चरण में कुलपति, संकाय व अतिथि गृह तथा तीसरे चरण में छात्रावास के निर्माण का काम किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन, कार्यदायी संस्था व स्थानीय प्रशासन की कमेटी बनाकर निर्माण कार्य की समय-समय पर समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री भी समय-समय पर इन विश्वविद्यालयों में हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माणाधीन विश्वविद्यालयों में नियमित कर्मचारियों की जल्द से जल्द नियुक्ति की जाए, जिससे अन्य कार्य भी सुगमता से संचालित हो पाएं तथा इनके लिए अस्थायी व्यवस्था भी तत्काल मुहैया कराई जाए।

महाकुम्भ के दौरान रिंग रेल पर 560 ट्रेन चलाने की तैयारी

प्रयागराज : महाकुम्भ 2025 के दौरान रेलवे ने 10,000 से अधिक नियमित और 3000 से अधिक विशेष ट्रेन चलाने की तैयारी की है। अधिकारियों के मुताबिक, इन 3,000 विशेष ट्रेन में से 1800 ट्रेन छोटी दूरी के लिए, 700 ट्रेन लंबी दूरी के लिए और 560 ट्रेन रिंग रेल पर चलाई जाएंगी। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी ने पत्रकारों को बताया कि प्रयागराज-अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज, प्रयागराज-संगम प्रयाग-जौनपुर-प्रयाग-प्रयागराज, गोविंदपुरी-प्रयागराज-चित्रकूट-गोविंदपुरी और झांसी-गोविंदपुरी-प्रयागराज-मानिकपुर-चित्रकूट-झांसी मार्गों पर रिंग रेल की योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल नौ रेलवे स्टेशन के साथ-साथ मेला क्षेत्र में कुल 560 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जोशी ने बताया कि इन काउंटर से प्रतिदिन लगभग 10 लाख टिकट वितरित किए जा सकेंगे। रेलवे ने महाकुम्भ मेला के दृष्टिगत अब अग्रिम रेलवे टिकट 15 दिन पूर्व लेने की सुविधा शुरू की है। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ - 2025 में भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे के सभी हिस्सों से रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के 18,000 से अधिक जवानों को ड्यूटी पर प्रयागराज लाया जा रहा है। इस दौरान प्रयागराज जंक्शन पर नगर की तरफ से प्रवेश और सिविल लाइन की तरफ से निकासी की व्यवस्था रहेगी।

राज्य सरकार युवाओं,महिलाओं, किसानों व श्रमिकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही:शर्मा

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लक्ष्य समाज के अन्तिम व्यक्ति को राहत पहुंचाते हुए उनका उत्थान और कल्याण सुनिश्चित करना है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा श्रमिकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक अपने क्षेत्र के लोगों से जुड़ें और संवाद करें, ताकि इन जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ इन वर्गों को मिल सके। उन्होंने कहा कि बजट के माध्यम से राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि बजट में की गई हर घोषणा का जमीन पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो, जिससे जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान-2047 की लक्ष्य प्राप्ति के लिए बजटीय घोषणाओं को सही समय पर और प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर अजमेर एवं बीकानेर संभाग के विधायकों के साथ बजट वर्ष 2024-25 में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विधायक अपने जिले में प्रशासन के साथ मिलकर लगातार बैठकें लें, ताकि बजटीय घोषणाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

किसानों के नौ घंटे के बंद से पंजाब ने जनजीवन प्रभावित, रेल व बस सेवाओं पर भी असर

चंडीगढ़ : पंजाब में किसानों द्वारा आहूत 'बंद' के कारण सोमवार को प्रदेश भर में जनजीवन प्रभावित हुआ। किसान अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर यहां केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया बंद शांतिपूर्ण रहा। बंद के दौरान पंजाब में रेल परिचालन अधिकांशतः स्थगित रहा, बसें और अन्य वाहन सड़कों से नदारद रहे, जिससे यात्री फंस गए। दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहे। एक सप्ताह से अधिक समय पहले बंद का आह्वान करने वाले किसान नेताओं ने इसे सफल करार दिया और पूर्ण समर्थन देने के लिए तीन करोड़ पंजाबियों को धन्यवाद दिया। कड़ाके की सर्दी और कुछ स्थानों पर घने कोहरे के बीच किसानों ने पटियाला, जालंधर, अमृतसर, फिरोजपुर, बठिंडा और पठानकोट सहित कई सड़कों और राजमार्गों पर धरना दिया, जिससे यातायात बाधित हुआ।

समाज्ञा धर्म-अध्यात्म

व्रत - त्यौहार

01.01.2025 : ईसाई नववर्ष
03.01.2025 : वैना गणेश चतुर्थी व्रत
05.01.2025 : गुरु गोविंद सिंह जयंती

महाकुंभ में गंगा स्नान से पहले जान लें इसके नियम

महाकुंभ का आयोजन हर 12 वर्ष के अंतराल पर किया जाता है, जिसे धर्म और आस्था का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। इसे 'महाकुंभ' या 'पूर्णकुंभ' भी कहा जाता है। विश्व प्रसिद्ध यह मेला करोड़ों श्रद्धालुओं, साधु-संतों और गृहस्थ लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कुंभ मेले का आयोजन देश में तीन स्थानों-हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में होता है, जबकि महाकुंभ विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित किया जाता है। महाकुंभ का महत्व केवल धार्मिक नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है।

प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों का संगम है, जिसे 'त्रिवेणी संगम' कहा जाता है। मान्यता है कि महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उसके समस्त पाप समाप्त हो जाते हैं। इस पवित्र अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और साधु-संत यहां एकत्रित होते हैं। कुंभ मेले का आयोजन लगभग एक महीने तक चलता है, जिसमें कई महत्वपूर्ण तिथियों पर 'शाही स्नान' आयोजित किए जाते हैं।

महाकुंभ का महत्व केवल स्नान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संयम, श्रद्धा और धार्मिक नियमों का पालन भी अनिवार्य है। माना जाता है कि महाकुंभ के दौरान गंगा स्नान करने वाले गृहस्थ लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि उनके पुण्य के लाभ में कोई बाधा न आए।

गंगा स्नान के नियम

स्नान से पहले गृहस्थ लोगों को दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

पहला, साधु-संतों के स्नान के समय उनसे पहले स्नान नहीं करना चाहिए। खासकर 'शाही स्नान' के अवसर पर साधु-संतों को प्राथमिकता दी जाती है। यदि गृहस्थ लोग इस नियम का पालन नहीं करते हैं, तो वे पुण्य के बजाय पाप के भागी बन सकते हैं।

दूसरा, गंगा में स्नान करते समय डुबकी का विशेष महत्व है। कुंभ के दौरान कम से कम पांच बार गंगा में डुबकी लगाकर स्नान करना चाहिए। यह धार्मिक परंपरा का पालन सुनिश्चित करता है और इसे अधूरे स्नान से अधिक प्रभावकारी माना जाता है।

महाकुंभ का महत्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है। यह मेला आध्यात्मिक ज्ञान, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी महत्वपूर्ण मंच है। कुंभ मेला श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति प्रदान करने के साथ-साथ जीवन के गहरे रहस्यों को समझने का अवसर देता है। इसलिए, जो भी श्रद्धालु महाकुंभ में गंगा स्नान करने आते हैं, उन्हें धार्मिक परंपराओं और आचार-संहिता का पालन अवश्य करना चाहिए। तभी वे इस पवित्र अवसर का पूर्ण लाभ उठा पाएंगे और पुण्य के भागी बनेंगे।

नए साल पर राशि के अनुसार दें ये तोहफे, प्रेम संबंध और रिश्ते होंगे मजबूत

नए साल को लोग अपने रिश्तेदार, परिवार और दोस्तों के साथ पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं। इस दिन लोग अपने चाहने वालों को तोहफे देना भी पसंद करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, राशि के अनुसार तोहफे देने से रिश्तों में न केवल मजबूती आती है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। तोहफे सिर्फ भौतिक वस्तु नहीं होते, बल्कि वे स्नेह और सम्मान का प्रतीक भी होते हैं। यदि आप नए साल पर अपने जीवन साथी या चाहने वाले को कोई तोहफा देने के बारे में सोच रहे हैं, तो राशि अनुसार गिफ्ट देने से आपका उपहार और भी विशेष बन सकता है।

राशि के अनुसार उपहार न केवल रिश्तों को मजबूत करते हैं, बल्कि यह व्यक्ति की राशि के ग्रहों को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। आइए जानते हैं कि नए साल पर राशि के अनुसार कौन-सा गिफ्ट देना शुभ रहेगा।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए लाल रंग को विशेष महत्व दिया जाता है। मेष राशि के लोग लाल रंग के कपड़े, लाल क्रिस्टल, या लाल रंग की कोई मूर्ति गिफ्ट कर सकते हैं। यह उपहार उनके जीवन में उत्साह और ऊर्जा को बढ़ाता है।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के लोगों के लिए नीला रंग शुभ माना जाता है। उन्हें नीले रंग के कपड़े, नीले फूल, या कोई नीला आभूषण गिफ्ट कर सकते हैं। यह उनके जीवन में स्थिरता और शांति लाता है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों को ऐसी चीजें गिफ्ट करें, जो ज्ञान और यात्रा से जुड़ी हों। हरे रंग का पेन, किताब, या लगेज बैग एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कर्क राशि

कर्क राशि के लोगों के लिए चांदी का विशेष महत्व है। चांदी से बनी कोई वस्तु जैसे चांदी का सिक्का, पेंडेंट, या चांदी का ब्रेसलेट गिफ्ट कर सकते हैं। यह मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों को सोने की कोई वस्तु गिफ्ट करें। यह गिफ्ट उन्हें आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास देता है।

कन्या राशि

कन्या राशि के लोगों को भगवान गणेश की मूर्ति गिफ्ट करें। यह उपहार उनके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाता है।

तुला राशि

तुला राशि के लोगों को सुंदरता से जुड़ी चीजें गिफ्ट करें, जैसे परफ्यूम, कॉस्मेटिक आइटम, या कोई खूबसूरत सजावटी वस्तु।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए लाल रंग शुभ माना जाता है। उन्हें लाल रंग के फूल या लाल रंग का आभूषण गिफ्ट कर सकते हैं।

धनु राशि

धनु राशि के लोगों को पीले रंग से जुड़ी चीजें गिफ्ट करें, जैसे पीली मिठाई, पीला कपड़ा, या भगवद गीता। यह उनके जीवन में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता लाता है।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए नीले रंग की वस्तुएं शुभ होती हैं। आप उन्हें नीले रंग का कपड़ा, क्रिस्टल, या कोई सजावटी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के लोगों के लिए भी नीला रंग विशेष महत्व रखता है। उन्हें नीले रंग के कपड़े या नीले रंग का आभूषण गिफ्ट करें।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए गोल्डन रंग विशेष महत्व रखता है। उन्हें सोने का पेंडेंट, कंगन, या अन्य कोई सोने से जुड़ी वस्तु गिफ्ट करें।

इन चीजों के लिए बिल्कुल भी न करें शर्म, वरना हो सकता है पछतावा

आचार्य चाणक्य के मार्गदर्शन के कारण ही आज हमारे समाज में लाखों लोग सफलता के शिखर पर हैं। क्योंकि वह अपने समय के सबसे बुद्धिमान और विद्वान व्यक्तियों में से एक माने जाते थे। जब भी राजा सहित राज्य का कोई भी व्यक्ति किसी मुसीबत में होता था या उसे किसी राय की आवश्यकता होती थी, तो वह सलाह के लिए सबसे पहले आचार्य चाणक्य के पास जाता था। आचार्य चाणक्य ने अपने जीवनकाल में कई नीतियां बनाईं, जिन्हें चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है।

आइए जानें उन स्थितियों के बारे में जहां व्यक्ति को कभी भी शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए।

खाने में संकोच न करें

आचार्य चाणक्य के अनुसार भोजन करते समय कभी भी शर्म नहीं करनी चाहिए। जो व्यक्ति खाने में शर्म करता है उसका पेट कभी नहीं भरता और वह भूखा ही रह जाता है। चाणक्य के सिद्धांत के अनुसार, आधा पेट भरने और भूखे रहने से सोचने और समझने की क्षमता कम हो जाती है। कभी-कभी लोग भूख के कारण गलत निर्णय भी ले सकते हैं। इसलिए गलत निर्णय के कारण वे जीवन में आगे नहीं बढ़ पाते हैं।

पैसों के लेन-देन में संकोच न करें

चाणक्य के अनुसार धन के लेन-देन में कभी भी शर्म नहीं करनी चाहिए। अगर आपने किसी को कर्ज दिया है तो आपको उनसे पैसे मांगने में संकोच नहीं करना चाहिए। आपको अपना और मेहनत से कमाया हुआ पैसा मांगने में कभी शर्म नहीं करनी चाहिए। अगर आप अपने पैसे मांगने में शर्माते हैं तो आप हमेशा पैसों से जुड़ी समस्याओं से जूझते रहेंगे।

अपनी बात रखने में संकोच न करें

आचार्य चाणक्य के अनुसार व्यक्ति को अपनी बातों को दूसरों के सामने रखने में कभी भी संकोच नहीं करना चाहिए। अगर कुछ सही लगता है तो सही कहो और अगर गलत लगता है तो गलत कहो। जो मनुष्य अपनी बात कहने में झिझकता है वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकता।

शिक्षा प्राप्त करने में शर्म न करें

आचार्य चाणक्य के अनुसार व्यक्ति को हमेशा नई-नई चीजें सीखते रहना चाहिए। आप किसी से भी सीख सकते हैं। जरूरी नहीं कि शिक्षा देने वाला व्यक्ति आपसे उम्र में बड़ा हो। यहां तक कि आपसे छोटा कोई व्यक्ति भी आपको नई चीजें सिखा सकता है। अक्सर हम बच्चों से चीजें सीखने में शर्म और झिझक महसूस करते हैं। अगर आप भी सीखने से कतराते हैं तो आपको जीवन में आगे बढ़ना बहुत मुश्किल हो सकता है।

नए साल में खुद से जरूर करें ये वादे, खुशियों से भर जाएगा जीवन

नया साल हर किसी के लिए खास होता है इसलिए कई लोग नए साल में कुछ नया करने और अपनी कुछ पुरानी आदतों को छोड़ने का फैसला करते हैं। सनातन धर्म में नए कार्य की शुरुआत बहुत शुभ होती है। नए साल में अपनी कुछ आदतों में सुधार करने से जीवन में नई आशाएं और उम्मीदें पैदा होंगी। ऐसा माना जाता है कि नए साल की शुरुआत में पूरा साल एक जैसा बीतता है। इसी वजह से लोग पूरे साल को खुशी से बिताने के लिए नए साल में खुद से कई वादे करते हैं। क्या आप भी अपने आने वाले साल को बेहतर बनाना चाहते हैं तो आप खुद से ये वादे कर सकते हैं। आइए जानते हैं नए साल में कैसे संकल्प लेने चाहिए।

बड़ों का आदर

सिर्फ बड़ों का ही नहीं बल्कि छोटों का भी सम्मान करना बहुत जरूरी है। कई बार ऐसा होता है जब आप क्रोधित हो जाते हैं और अपने बड़ों से झगड़ा करते हैं और र उनका अनादर करते हैं। ऐसे में बेहतर है कि नए साल में बड़ों को आदर और सम्मान का संकल्प लें।

बुरी आदतों से दूर रहे

हर किसी को झूठ बोलना, दूसरों को दुख पहुंचाना, खाना बर्बाद करना आदि बुरी आदतों से छुटकारा पाना होगा। इंसान की ये बुरी आदतें न सिर्फ उसके लिए बल्कि उसके आने वाले परिवार के लिए भी बेहद कष्टकारी होती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप नए साल में खुद से बुरी आदतें छोड़ने का वादा करें।

वाणी पर नियंत्रण

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार मधुर वाणी से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। मीठी वाणी वाले लोगों का हर कोई सम्मान करता है। अगर आप उनसे अच्छे से बात करें तो दुश्मन भी दोस्त बन सकते हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग गुस्से में आकर दूसरे पक्ष का अपमान कर देते हैं, जो बिल्कुल भी सही नहीं है, ऐसे में नए साल पर वाणी पर नियंत्रण रखने का प्रण लेना ही बेहतर है।

न्यूज इन ब्रीफ

थिएटर भगदड़ मामला : अल्लू अर्जुन की जमानत अर्जी पर फैसला तीन जनवरी तक सुरक्षित

हैदराबाद : तेलंगाना की एक अदालत ने 'पुष्पा-2' के प्रदर्शन के दौरान हैदराबाद के एक थिएटर में मची भगदड़ में एक महिला की मौत के मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन की जमानत अर्जी पर फैसला सोमवार को सुरक्षित रख लिया। हैदराबाद के द्वितीय अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश ने अल्लू अर्जुन के वकील और जवाबी याचिका दायर करने वाली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला तीन जनवरी 2025 तक के लिए सुरक्षित रख लिया। मामले में आरोपी नंबर 11 के रूप में नामजद अल्लू अर्जुन ने अदालत में पहले नियमित जमानत याचिका दायर की थी और 27 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पेश हुए थे।

भारी हिमपात के कारण सिक्किम में फंसे छह पर्यटकों को बचाया गया

गंगटोक : उत्तरी सिक्कम में भारी हिमपात के कारण फंसे असम के छह पर्यटकों को बचा लिया गया है। ये सभी मोटरसाइकिल से यात्रा कर रहे थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। रविवार रात को ये पर्यटक मंगन जिले के लाचुंग से करीब 10 किलोमीटर दूर यक्षे में फंस गए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर पर्यटकों को बचाया। सड़कों पर फिसलन होने के कारण मोटरसाइकिलों का चलना असंभव हो गया था। बचाव अभियान के बाद सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने सोमवार सुबह तक युमथांग घाटी तक सड़क से बर्फ हटा दी। हालांकि, अधिकारियों ने यात्रियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है क्योंकि सड़कों पर फिसलन है जिससे अभी खतरा बना हुआ है। अधिकारियों ने यात्रा शुरू करने से पहले सड़क की स्थिति की जांच करने और आवश्यक सुरक्षा उपाय करने की सलाह दी है।

जम्मू कश्मीर : 'रोपवे' परियोजना के खिलाफ कटरा में बंद छठे दिन भी जारी

रियासी/जम्मू : जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के आधार शिविर कटरा में प्रस्तावित 'रोपवे' परियोजना के खिलाफ सोमवार को छठे दिन भी बंद जारी रहा तथा प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग को लेकर आंदोलनकारियों की भूख हड़ताल भी जारी है। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने बंद का आह्वान किया है, जो बुधवार से शुरू हुआ। समिति ने घोषणा की है कि इस दौरान कटरा में सभी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। हिरासत में लिए गए समिति के नेता भूपिंदर सिंह की पत्नी शिवानी जामवाल भी प्रदर्शनकारियों में शामिल हो गईं और उन्होंने पुलिस हिरासत में अपने पति और अन्य लोगों की बिगड़ती हालत का हवाला देते हुए उन्हें तत्काल रिहा न किए जाने पर आत्मदाह करने की धमकी दी।

जम्मू-कश्मीर: आतंकवादी समूहों की सहायता कराने वाले एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में आतंकवादी समूहों को रसद सहायता मुहैया कराने के आरोप में सोमवार को आतंकियों के एक सहयोगी को लोक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिले में आतंकी समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक अभियान चलाया और आतंकवादियों के एक सहयोगी को पीएसए के तहत हिरासत में लिया। आरोपी की पहचान मोहम्मद रफीक के रूप में हुई है, जो बसंतगढ़ के बलोटा चिगला का निवासी है। उसे जेल भेज दिया गया। रफीक आतंकवाद से जुड़े कई मामलों में संलिप्त रहा है और गिरफ्तारी से पहले तक वह आतंकवादी संगठनों के लिए सक्रिय मददगार के तौर पर काम कर रहा था।

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक में 21 हजार करोड़ रुपये को पार कर गया: राजनाथ

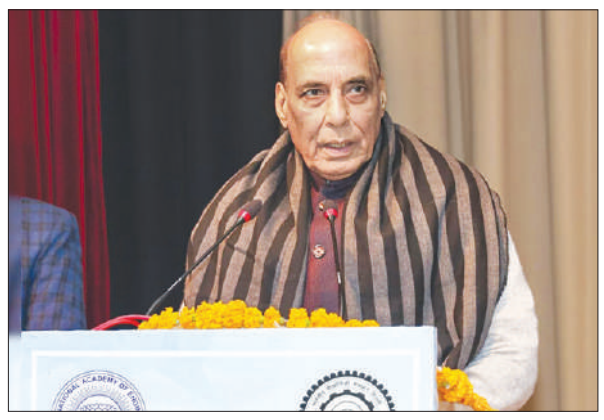

महू (मध्यप्रदेश) : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के दो हजार करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21 हजार करोड़ रुपये को पार कर गया है। दो शताब्दी से अधिक पुरानी महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि लगातार बदलते समय में सीमांत प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करना समय की मांग है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सैन्य प्रशिक्षण केंद्र भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सैनिकों को सुसज्जित और तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सिंह ने कहा, एक दशक पहले हमारा रक्षा निर्यात करीब दो हजार करोड़ रुपये था, जो आज 21 हजार करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है। हमने 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित उपकरण दूसरे देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। सिंह ने अपने भाषण में युद्ध में आमूलचूल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि सूचना युद्ध, कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित युद्ध, छद्म युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध और साइबर हमले जैसे अपरंपरागत तरीके बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। उन्होंने इस तरह के हमलों से लड़ने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित करने की आवश्यकता पर बल दिया और महू में प्रशिक्षण केंद्रों के बहुमूल्य योगदान की सराहना की।

केजरीवाल का पुजारी, ग्रंथी को 18 हजार रुपये देने का वादा, भाजपा ने बताया 'राजनीतिक स्टंट'

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को घोषणा की कि अगर उनकी पार्टी दिल्ली में फिर से सत्ता में आती है, तो मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपये मासिक भत्ता दिया जाएगा इस पर विपक्षी भाजपा और कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया उनकी उपस्थिति में क्नॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में शुरू होगी। भाजपा ने इस घोषणा को राजनीतिक स्टंट करार दिया, जबकि कांग्रेस ने इसे केजरीवाल की चालबाजी करार देते हुए कहा कि शहर की मस्जिदों के इमाम उनके आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं और कथित तौर पर 17 महीने से लंबित अपने वेतन के भुगतान की मांग कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, पुजारी और ग्रंथी हमारे समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन उनकी अक्सर उपेक्षा की जाती है। देश में पहली बार, हम उन्हें समर्थन देने के लिए एक योजना शुरू कर रहे हैं, जिसके तहत उन्हें 18,000 रुपये का मासिक भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना के लिये मंगलवार से पंजीकरण शुरू होगा। उन्होंने हालांकि पंजीकरण के लिए दिशा-निर्देशों और इसके लिए पात्रता मानदंडों के बारे में विस्तार से नहीं बताया। दिल्ली में पंजीकृत मंदिर पुजारियों और गुरुद्वारा ग्रंथियों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं है। योजना के संभावित लाभार्थियों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर केजरीवाल ने कहा, पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी संख्या पता चलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को इस योजना में बाधा डालने की कोशिश नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह पाप होगा।

पोंजी योजना संचालक जाला ने चार साल में 11 हजार निवेशकों से 450 करोड़ रुपये जुटाए: गुजरात पुलिस

अहमदाबाद : गुजरात में कथित पोंजी योजना संचालक भूपेंद्र सिंह जाला ने 2020 से 2024 के बीच राज्यभर में स्थापित 17 कार्यालयों के माध्यम से 11,000 निवेशकों से 450 करोड़ रुपये जुटाए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। साबरकांठा के हिम्मतनगर शहर का रहने वाला जाला लगभग एक महीने तक फरार था। उसे 27 दिसंबर को मेहसाणा जिले से गिरफ्तार किया गया। अदालत ने उसे चार जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस उप महानिरीक्षक (सीआईडी-अपराध) परीक्षिता राठौड़ ने गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा, पूछताछ के दौरान पता चला है कि जाला ने बीजेड फाइनेंशियल सर्विसेज के माध्यम से जमा राशि पर असामान्य रूप से उच्च फायदे की पेशकश करके निवेशकों से 450 करोड़ रुपये एकत्र किए। उन्होंने कहा, जाला ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पूरे गुजरात में 17 शाखाएं खोलीं। हमारी जांच में पता चला है कि उसने चार साल में 450 करोड़ रुपये जुटाए और फिर 100 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति खरीदी। हालांकि, उसने वादे के मुताबिक जमाकर्ताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। राठौड़ ने कहा, अब तक हमें पता चला है कि जाला की फर्म द्वारा संचालित योजनाओं में लगभग 11,000 लोगों ने निवेश किया था।

महाकुंभ के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों को आमंत्रित कर रही है उप्र सरकार

नयी दिल्ली : उत्तर प्रदेश सरकार 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ मेले के लिए राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करेगी। हर 12 साल में आयोजित होने वाला यह विशाल धार्मिक आयोजन प्रयागराज में 45 दिनों तक जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक रोडशो में कहा कि गैर-राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) दलों द्वारा शासित राज्यों सहित सभी राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में कहा, ''हमने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को आमंत्रित किया है और हम दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से भी मुलाकात करेंगे।'' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नयी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें महाकुंभ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भी इस भव्य आयोजन के लिए आमंत्रित किया। आमंत्रण के तहत मुख्यमंत्री योगी ने गणमान्य व्यक्तियों को विशेष उपहार भेंट किए, जिसमें महाकुंभ 2025 का प्रतीक चिह्न, एक कलश, आयोजन से संबंधित साहित्य, नये साल का टेबल कैलेंडर और एक डायरी शामिल है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री शनिवार को नयी दिल्ली पहुंचे और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह से मुलाकात की। इनमें से प्रत्येक को महाकुंभ से संबंधित व्यक्तिगत आमंत्रण और स्मृति चिह्न दिए गए। योगी ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट करके गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठकों की तस्वीरें साझा की थीं और समय देने के लिए उनके प्रति आभार जताया था।

कश्मीर के गुलमर्ग, पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड

श्रीनगर : कश्मीर के गुलमर्ग और पहलगाम में शीतलहर से कड़ाके की ठंड जारी है और तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया है। हालांकि घाटी के अन्य हिस्सों में सर्दी से कुछ राहत मिली है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तरी कश्मीर में 'स्कीइंग' गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात की तुलना में दो डिग्री कम है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस नीचे था। श्रीनगर में रात के समय तापमान शून्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने बताया कि कश्मीर के प्रवेशद्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि कोनीबल में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

तृतीय लिंग के पंजीकृत मतदताओं में से सिर्फ 27 प्रतिशत ने लोकसभा चुनाव में वोट डाला: निर्वाचन आयोग

नयी दिल्ली : देश में तृतीय लिंग (थर्ड जेंडर) के पंजीकृत मतदताओं में से सिर्फ 27 प्रतिशत ने इस लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। पिछले सप्ताह आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 48,194 लोग तृतीय लिंग के मतदाता के रूप में मतदान करने के पात्र थे, जबकि 2019 में यह संख्या 39,075 थी। पांच साल की अवधि में इन मतदाताओं की संख्या में 23.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आंकड़ों में कहा गया है कि इन पंजीकृत मतदाताओं में से 13,058 ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, जो कुल पंजीकृत तृतीय लिंग मतदाताओं का 27 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में पंजीकृत तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक - 8,467 थी, लेकिन इनमें से केवल 2,709 ने वोट डाला। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उनकी मतदान में कुल भागीदारी 14.64 प्रतिशत थी। ऐसी खबरें हैं कि तृतीय लिंग के कई मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर कतार में लगने में अनिच्छा व्यक्त की है क्योंकि उनका दावा है कि उन्हें तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाता है और सुरक्षा कर्मियों द्वारा बार-बार उनकी पहचान साबित करने के लिए कहा जाता है।

युवाओं को भड़काने वाले भाषणों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता: दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने आतंकवाद के मामले में एक आरोपी की याचिका खारिज करते हुए कहा है कि निर्दोष युवाओं को गुमराह करने और उन्हें देश के खिलाफ अवैध गतिविधियों के लिए भड़काने वाले भाषणों को सिर्फ इसलिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि कोई विशिष्ट आतंकवादी कृत्य नहीं किया गया। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने भारत में अलकायदा के कथित सहयोगी मोहम्मद अब्दुल रहमान की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। रहमान ने आतंकवाद रोधी कानून यूएपीए के तहत निचली अदालत द्वारा उसे दोषी ठहराए जाने और सात साल पांच महीने की जेल की सजा सुनाए जाने के खिलाफ याचिका दायर की थी। पीठ ने कहा, ''निर्दोष युवाओं को गुमराह करने के लिए दिए गए भाषणों और देश के खिलाफ गैरकानूनी एवं अवैध कार्य करने के लिए उन्हें भर्ती करने के प्रयासों को इस आधार पर पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता कि कोई विशिष्ट आतंकवादी कृत्य नहीं किया गया।''

नए साल में श्रम सुधार, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा होगी सरकार की प्राथमिकता

नयी दिल्ली : श्रम संहिताओं को तेजी से लागू करना, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों खासकर 'गिग' तथा ऑनलाइन कंपनियों के लिए काम करने वाले कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना और बदलावकारी नीतियों के साथ 2025 में सभी को सशक्त बनाना और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता होगी। श्रम मंत्रालय के अनुसार, सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 31 मार्च, 2025 तक चार श्रम संहिताओं के तहत नियमों के मसौदे के सामंजस्य तथा पूर्व-प्रकाशन पूरा करने की उम्मीद है। मंत्रालय ने श्रम कानूनों में चार सुधारों की पहचान की है, जैसे एकल पंजीकरण, एकल रिटर्न, पांच साल की वैधता के साथ कंपनी-आधारित सामान्य लाइसेंस। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा, '' नव वर्ष के मुहाने पर हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है..भारत के लिए एक मजबूत, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना।'' उन्होंने कहा, '' 2024 में हमने ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) और ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणालियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जिससे शिकायतों का त्वरित तथा कुशल समाधान संभव हो सका।'' 'गिग' तथा ऑनलाइन मंचों के लिए काम करने वाले श्रमिकों के बढ़ते महत्व को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने उनकी सामाजिक सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। यह एक ऐसी यात्रा है जो जारी है और यह मुख्य एजेंडा में शामिल है। 'गिग वर्कर' से तात्पर्य ऑनलाइन मंचों से जुड़े कर्मचारियों से है जो आमतौर पर अपने काम के आधार पर भुगतान पाते हैं। उन्होंने कहा, '' भविष्य की बात करें तो हम श्रम संहिताओं को लागू करने में तेजी लाने और परिवर्तनकारी नीतियां लागू करने के लिए संकल्पबद्ध हैं, जो प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की विकास गाथा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएंगी।''

न्यूज अपडेट

मुख्यमंत्री प्रयागराज में बायो सीएनजी संयंत्र का उद्घाटन करेंगे

महाकुम्भ नगर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को प्रयागराज आएंगे। यह इस माह उनका पांचवां दौरा होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री नैनी में नवनिर्मित बायो सीएनजी संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री प्रयागराज में संगम ऐरावत घाट, संगम नोज घाट के साथ ही गंगा सेतु के समानांतर बने स्टील ब्रिज का भी निरीक्षण करेंगे। वह लगभग चार घंटे प्रयागराज में रहेंगे और इस दौरान वह स्थलीय निरीक्षण के साथ ही आईसीसीसी सभागार में समीक्षा बैठक भी करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री सात, 12 , 13 और 23 दिसंबर को भी प्रयागराज का दौरा कर चुके हैं। प्रयागराज नगर निगम के आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री नैनी में जिस बायो सीएनजी संयंत्र का शुभारंभ करेंगे वह प्रतिदिन 21.5 टन गैस के साथ 209 टन जैविक खाद बनाएगा। उनके मुताबिक, प्रयागराज शहर में घरों, होटल-रेस्तरां और मंदिरों से प्रतिदिन करीब 200 टन गीला कचरा निकलता है। इसी कचरे से प्रयागराज नगर निगम सालान 53 लाख रुपये की आय अर्जित करेगा। उन्होंने बताया कि पीपीपी मॉडल से इस बायो सीएनजी संयंत्र का संचालन होगा। इसके लिए प्रयागराज नगर निगम ने 12.49 एकड़ जमीन नैनी के जहांगीराबाद में अरैल घाट के पास दी है। गर्ग ने बताया कि संयंत्र का संचालन एवर एनवायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। इसके लिए नगर निगम और कंपनी के बीच 25 साल के लिए अनुबंध हुआ है।

जगन्नाथ मंदिर में 31 दिसंबर और एक जनवरी को सुचारू दर्शन के लिए विशेष प्रबंध

पुरी (ओडिशा) : नये साल के जश्न के अवसर पर तीर्थ नगरी पुरी में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) और पुलिस ने व्यापक प्रबंध किए हैं ताकि लोगों को दर्शन के दौरान किसी तरह की दिक्कत न हो। एसजेटीए ने एक बयान में कहा, 12वीं शताब्दी के इस मंदिर में दर्शन के लिए केवल सिंहद्वार से ही प्रवेश की अनुमति होगी और तीन अन्य द्वारों से निकास की व्यवस्था की गई है। सामान्य श्रद्धालुओं को सिंहद्वार के अलावा किसी अन्य द्वार से प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, यह व्यवस्था सेवादारों और उनके परिवार के सदस्यों पर लागू नहीं होगी तथा वे किसी भी द्वार से प्रवेश या निकास कर सकते हैं। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने कहा, हम इस व्यवस्था के सुचारू कार्यान्वयन के लिए सभी का सहयोग चाहते हैं ताकि महाप्रभु (भगवान जगन्नाथ) के दर्शन व्यवस्थित तरीके से किए जा सकें।

केंद्र ने वायनाड भूस्खलन को 'गंभीर प्रकृति' का आपदा घोषित किया, सहायता प्रक्रिया की घोषणा की

तिरुवनंतपुरम : केरल के वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन से तीन गांव तबाह होने के पांच महीने बाद केंद्र सरकार ने भूस्खलन की तीव्रता और प्रभाव को देखते हुए इसे ''गंभीर प्रकृति'' का आपदा घोषित कर दिया है। एक आधिकारिक सूत्र ने सोमवार को यह जानकारी दी। केरल सरकार को भेजे गए पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि ऐसी गंभीर आपदाओं के लिए शुरू में राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसे बाद में अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दल (आईएमसीटी) द्वारा किए गए आकलन के आधार पर राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) द्वारा पूरा किया जाता है। पत्र में कहा गया है, ''वायनाड जिले के मेप्पाडी में आए भूस्खलन की तीव्रता और परिमाण को ध्यान में रखते हुए आईएमसीटी ने इसे सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए गंभीर प्रकृति की आपदा माना है। केंद्र सरकार ने ऐसे समय में यह घोषणा की है जब राज्य सरकार ने ''वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करने'' के लिए आलोचना की थी और सांसदों ने संसद में इस मुद्दे पर विरोध जताया था। केरल के वायानाड के चूरलमाला और मुंडक्कई क्षेत्रों में 30 जुलाई को मूसलाधार बारिश होने से बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ, जिसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई, कई लोग घायल हुए तथा हजारों लोग बेघर हो गए थे।

झारखंड: नक्सलियों की ओर से जबरन वसूली, धनशोधन से जुड़े मामलों की जांच के लिए एनआईए ने मारे छापे

रांची : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने एक नक्सली समूह द्वारा जबरन वसूली किये जाने और धनशोधन से जुड़े आरोपों की जांच के सिलसिले में सोमवार को झारखंड के चतरा जिले में तीन स्थानों छापे मारे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।बयान के अनुसार, इस दौरान कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड आदि जब्त किए गए।

भारतीय आवास बाजार में सुस्ती, रियल एस्टेट कंपनियों की उम्मीदें बजट पर टिकीं

नयी दिल्ली : भारत में 2024 में नए घरों की बिक्री में महामारी के बाद पहली बार गिरावट आई। आवास कीमतों में तेज वृद्धि और कर्ज की ऊंची लागत के कारण घर खरीदार कम हुए। रियल एस्टेट उद्योग अब अनुकूल आर्थिक स्थितियों के लिए आगामी बजट पर नजर गड़ाए है। इसके बाद ही मांग फिर से बढ़ने की उम्मीद है। कोविड महामारी के बाद लगातार तीन साल तक शानदार वृद्धि के बाद भारतीय आवास बाजार में मंदी आई है। पिछले वर्ष के उच्च आधार, नए घरों की आपूर्ति में गिरावट और मूल्य वृद्धि के कारण ऐसा हुआ। देश की प्रमुख संपत्ति सलाहाकर एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने वर्ष 2024 को भारतीय आवास बाजार के लिए मिला-जुला बताया। उन्होंने कहा कि किफायती आवास खंड की मांग कमजोर रही, लेकिन लक्जरी घरों की बिक्री और पेशकश मजबूत रही। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के आवासीय रियल एस्टेट बाजार को 2024 के दौरान बिक्री की मात्रा में मामूली चार प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा। वर्ष 2020 में 47 प्रतिशत की गिरावट के बाद, 2021, 2022 और 2023 में घरों की बिक्री में क्रमशः 71 प्रतिशत, 54 प्रतिशत और 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। एक अनुमान के मुताबिक, भारतीय आवासीय रियल एस्टेट बाजार 300 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का है। महामारी के बाद अति-धनी लोगों ने पेशकश के समय ही शानदार फ्लैट,

विला और पेंटहाउस खरीदना शुरू कर दिया और ऐसा इस साल भी जारी रहा। रियल एस्टेट डेवलपर की लंबे समय से मांग है कि आयकर अधिनियम के तहत आवास ऋण पर ब्याज की कटौती सीमा में वृद्धि की जाए, ताकि घरों की बिक्री को बढ़ावा दिया जा सके। ऐसे में ज्यादातर रियल एस्टेट कंपनियों ने लक्जरी आवासीय परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका नेतृत्व रियल्टी कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने किया। कंपनी ने गुरुग्राम में एक सुपर लक्जरी परियोजना 'द डहलियाज' पेश की, जिसमें लगभग 400 इकाई शामिल हैं और जिसका अनुमानित बिक्री मूल्य 26,000 करोड़ रुपये है। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''2024 भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक और यादगार वर्ष रहा है, जिसमें उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि और किराये पर लेने के बजाय घर खरीदने की ओर रुझान बढ़ा। इस वजह से आवास क्षेत्र की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है।''

स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने 2023-24 में 15,100 करोड़ रुपये के दावे किए खारिज

नयी दिल्ली : स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान दायर कुल दावों में से 15,100 करोड़ रुपये या 12.9 प्रतिशत दावों को खारिज कर दिया। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की 2023-24 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सामान्य तथा एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के स्वास्थ्य बीमा के तहत मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान कुल 1.17 लाख करोड़ रुपये के दावों में से केवल 83,493.17 करोड़ रुपये या 71.29 प्रतिशत का भुगतान किया गया। रिपोर्ट कहती है, इसके अलावा बीमा कंपनियों ने 10,937.18 करोड़ रुपये (9.34 प्रतिशत) के दावों को खारिज कर दिया, जबकि बकाया दावों की कुल राशि 7,584.57 करोड़ रुपये (6.48 प्रतिशत) थी। बीमा कंपनियों के पास 2023-24 के दौरान करीब 3.26 करोड़ स्वास्थ्य बीमा दावे आए, जिनमें से 2.69 करोड़ (82.46 प्रतिशत) दावों का निपटारा किया गया। इरडा ने कहा, प्रति दावे के लिए भुगतान की गई औसत राशि 31,086 रुपये थी। निपटाए गए दावों की संख्या के संदर्भ में 72 प्रतिशत दावे टीपीए (तृतीय-पक्ष व्यवस्थापक) के जरिये निपटाए गए और शेष 28 प्रतिशत दावे आंतरिक प्रणाली के माध्यम से निपटाए गए। दावों के निपटान के तरीके के संदर्भ में कुल दावों का 66.16 प्रतिशत नकद रहित तरीके से तथा अन्य 39 प्रतिशत को प्रतिपूर्ति तरीके (मोड) से निपटाया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में साधारण व स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने व्यक्तिगत दुर्घटना और यात्रा को छोड़कर स्वास्थ्य, बीमा प्रीमियम के रूप में 1,07,681 करोड़ रुपये एकत्र किए, जो इससे पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20.32 प्रतिशत की वृद्धि है। साधारण और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने व्यक्तिगत दुर्घटना तथा यात्रा बीमा के तहत जारी योजनाओं के अलावा 2.68 करोड़ स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 57 करोड़ लोगों को 'कवर' किया। मार्च, 2024 के अंत में 25 साधारण बीमाकर्ता और आठ एकल स्वास्थ्य बीमाकर्ता थे। सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियां न्यू इंडिया, नेशनल और ओरिएंटल इंश्योरेंस विदेशों में स्वास्थ्य बीमा का कारोबार कर रही हैं। इन्होंने 2023-24 के दौरान स्वास्थ्य, व्यक्तिगत दुर्घटना और यात्रा बीमा से 154 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम प्राप्त किया और 10.17 लाख लोगों को 'कवर' किया। गत वित्त वर्ष में बीमा उद्योग ने व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के अंतर्गत कुल 165.05 करोड़ लोगों को 'कवर' किया।

न्यूज इन ब्रीफ

आईसीसी साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर पुरस्कार की दौड़ में कोई भारतीय नहीं

दुबई: आईसीसी साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर पुरस्कार के लिए सोमवार को जारी नामांकित खिलाड़ियों की सूची में कोई भी भारतीय शामिल नहीं है। इस सूची में श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर के साथ ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट का नाम शामिल है। आईसीसी ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,' श्रीलंका की सभी प्रारूपों की कप्तान लंबे समय से अपने देश के लिए बल्ले से कमाल कर रही हैं। अट्टापट्टू वनडे के साथ-साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों और ऑलराउंडरों की आईसीसी महिला रैंकिंग में शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल है। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से अपनी क्षमता साबित की है।'

कोहली तीन से चार साल और खेल सकता है लेकिन रोहित को फैसला करना होगा: शास्त्री

मेलबर्न: पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली में अभी तीन से चार साल का क्रिकेट बचा है लेकिन कप्तान रोहित शर्मा को खेल के पारंपरिक प्रारूप में फॉर्म और तकनीक के साथ लंबे समय से संघर्ष को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही श्रृंखला के बाद अपने भविष्य का आकलन करने की जरूरत हो सकती है। भारत के सीनियर बल्लेबाज रोहित और कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के दौरान खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रोहित ने पांच पारियों में सिर्फ 6.20 के औसत से 31 रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने 3, 6, 10, 3 और 9 रन बनाए जो ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी विदेशी कप्तान का सबसे कम औसत है।

फिर नाकाम रहे रोहित और विराट, भारत चौथा टेस्ट 184 रन से हारा

मेलबर्न: भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर आसानी से घुटने टेक दिये और चौथे टेस्ट में आस्ट्रेलिया के हाथों 184 रन की शर्मनाक हार के साथ ही लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की मांग जोर पकड़ने लगी है। जीत के लिये 340 रन के दुरूह लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित नौ और कोहली पांच रन बनाकर आउट हो गए । रोहित को अति रक्षात्मक शैली अपनाने का खामियाजा भुगतना पड़ा तो आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कोहली ने फिर विकेट गंवाया। भारत ने आखिरी सात विकेट 20 . 4 ओवर में 34 रन के भीतर गंवा दिये और दूसरी पारी में टीम 155 रन पर आउट हो गई। आस्ट्रेलियाई कप्तान और 'प्लेयर आफ द मैच' पैट कमिंस ने 18 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि स्कॉट बोलैंड ने 16 ओवर में 39 रन देकर तीन विकेट चटकाये । नाथन लियोन को दो और मिचेल स्टार्क को कोहली का कीमती विकेट मिला। इससे पहले यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत के बीच चौथे विकेट के लिये 88 रन की साझेदारी से मैच ड्रॉ की ओर मुड़ता दिख रहा था लेकिन एक बार फिर गैर जिम्मेद-ाराना शॉट खेलकर पंत के आउट होने के बाद भारत की उम्मीदों पर पानी फिर गया। आस्ट्रेलिया अब श्रृंखला में 2 . 1 से आगे है। भारत अगर सिडनी टेस्ट नहीं जीतता है तो लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलने का सपना भी टूट जायेगा। जायसवाल (208 गेंद में 84 रन) को छोड़कर भारत का कोई बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर सका। जायसवाल को विवादित ढंग से तीसरे अंपायर ने विकेट के पीछे कैच आउट करार दिया। टेस्ट मैच जीतने या बचाने की कला अब विरले क्रिकेटरों के पास ही रह गई है लेकिन भारत की उम्मीदों का सरमाया दो सबसे अनुभवी खिलाड़ियों पर था जो करीब दो दशक से अपने खेल से एक देशवासियों को खुशियों की सौगातें देते आये हैं। लेकिन दोनों ही चूक गए और अब चयनकर्ताओं को कुछ कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

पंत को यह समझने की जरूरत है कि उनके लिए क्या जरूरी है: रोहित

यशस्वी जायसवाल के साथ शानदार साझेदारी करने के बाद आक्रामक शॉट पर अपना विकेट गंवाने वाले ऋषभ पंत से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सोमवार को कहा कि उन्हें 'यह समझना होगा कि उनके लिए क्या जरूरी है'। पंत इस मैच की पहली पारी में भी गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए थे। दोनों पारियों में उनके विकेट के ऑस्ट्रेलिया को मैच पर पकड़ बनाने का मौका मिल गया। पहली पारी में स्कॉट बोलैंड की गेंद पर उनके लैप शॉट खेल कर उनके आउट होने को कमेंट्री कर रहे पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बेवकूफाना करार दिया था। पंत ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भारत की जीत के नायक रहे थे लेकिन मौजूदा दौरे पर वह लगातार गैरजिम्मेदराना शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा रहे हैं। रोहित से मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में जब सोमवार को पंत के आउट होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में पूछा, 'आज ? (या) उस दिन।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'आज के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। हम अभी मैच हारे है और हर कोई इस बात से निराश है। हमने निश्चित रूप से इस परिणाम के बारे में नहीं सोचा था।' उन्होंने कहा, 'पंत को यह समझने की जरूरत है कि उसके लिए क्या जरूरी है।

यह हार मानसिक रूप से परेशान करने वाली, कुछ चीजों पर मुझे खुद गौर करने की जरूरत: रोहित

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से मिली बड़ी हार के बाद 'परेशान' होने की बात कबूल करते हुए सोमवार को यहां कहा कि टीम की सामूहिक समस्या के साथ ही कुछ 'चीजें' हैं जिस पर उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर गौर करने की जरूरत है। खराब लय में चल रहे रोहित के नाम तीन टेस्ट मैचों की छह पारियों में 31 रन हैं। रनों का उनका यह आंकड़ा इस श्रृंखला में जसप्रीत बुमराह के द्वारा लिये 30 विकेट से सिर्फ एक अधिक है। अपने टेस्ट करियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुके रोहित के लिए सिडनी टेस्ट इस प्रारूप में करियर का अंतिम टेस्ट मैच हो सकता है। भारतीय कप्तान हालांकि खुद बिना संघर्ष किये बाहर नहीं जाना चाहते हैं। रोहित एक बल्लेबाज और एक कप्तान के रूप में वह कहां खड़े हैं? उसकी मानसिकता क्या है? सवाल तो बहुत हैं लेकिन जवाब इतने आसान नहीं हैं।

रोहित, कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने वास्तव में कोई योगदान नहीं दिया: गावस्कर

मेलबर्न: अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सोमवार को टीम को निराश करने के लिए सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली की आलोचना की और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में हार के लिए भारतीय शीर्ष क्रम को जिम्मेदार ठहराया। चौथे टेस्ट के अंतिम दिन भारत के सामने 340 रन का लक्ष्य था लेकिन यशस्वी जायसवाल (84) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज योगदान नहीं दे पाया। भारत को इस मैच में 184 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत इस तरह से पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गया। गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा,'यह सब चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। जो योगदान अपेक्षित था वह नहीं आया है। यह शीर्ष क्रम है जिसे योगदान देना है, यदि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज योगदान नहीं दे रहे हैं तो फिर तो निचले क्रम को दोष क्यों दें।' उन्होंने कहा, ''सीनियर खिलाड़ियों ने वास्तव में वह योगदान नहीं दिया जो उन्हें देना चाहिए था, उन्हें बस आज अच्छी बल्लेबाजी करनी थी। यह सिर्फ इतना है कि शीर्ष क्रम ने योगदान नहीं दिया और यही कारण है कि भारत इस स्थिति में पहुंचा।' गावस्कर ने जहां जायसवाल की जोरदार पारी की सराहना की, वहीं वह एक बार फिर ऋषभ पंत के शॉट चयन से निराश नजर आए। भारत का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 33 रन था तब जायसवाल और पंत ने स्थिति संभाली और लंच के बाद के सत्र में भारत को 121 रन तक पहुंचाया। इसके बाद पंत ने हवा में शॉट खेल कर अपना विकेट गंवाया जिससे भारतीय टीम लड़खड़ा गई। गावस्कर ने कहा, ''ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल ने लंच के बाद के सत्र में जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे निश्चित तौर पर लग रहा था कि भारत इस मैच को ड्रॉ कर सकता है क्योंकि यह बिना विकेट खोए एक और घंटे तक बल्लेबाजी करने की बात थी।' उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि क्रिकेट में इस शॉट को सिक्सर कहा जाता है जो किसी ड्रग की लत की तरह है। एक बार जब आप कुछ छक्के मार देते हैं, तो आप सोचते हैं कि वास्तव में यह सही तरीका है। जब आप गेंद को स्टैंड में पहुंचाते हैं तो एक बल्लेबाज के लिए इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है। सिक्सर एक अलग तरह का एहसास है और यह एक ड्रग है जो आपके सिस्टम में चला जाता है।'

न्यूज अपडेट

बुमराह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में

दुबई: भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए नामित किया गया जबकि वह साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले बुमराह को वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के नाम पर दिए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक तथा ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड के साथ नामित किया गया है। वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले बुमराह, रूट, ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया है। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए हैं जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया है और चार टेस्ट मैच में 30 विकेट के साथ श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से रौंदा

बेंगलुरू: मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने अपने पदार्पण मुकाबले में चार गोल किए जबकि प्यारी शाशा ने महज आठ मिनट के अंतराल में हैट्रिक बनाई जिससे भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से हरा दिया। इसके साथ ही भारत के स्वीडन के नवनियुक्त कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने अपने कार्यकाल की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में शाशा ने मेजबान टीम के लिए सातवें, आठवें और 15वें मिनट में गोल दागे और इस बीच 12वें मिनट में लिंडा के गोल में मदद की। पूरी तरह से एकतरफा रहे मैच में लिंडा ने 12वें, 21वें, 29वें और 52वें मिनट में गोल किए। मैच में कुछ समय के लिए व्यवधान आया जब एक लाइनमैन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह मैदान पर भाग रहा था जिससे खेल रोकना पड़ा। यह घटना मध्यांतर से पहले अंतिम मिनट में हुई और मैच 15 मिनट बाद फिर से शुरू हुआ। भारत मध्यांतर तक 8-0 से आगे था। भारत के लिए नेहा ने भी 16वें और 45वें मिनट में दो गोल करके अपने पदार्पण का जश्न मनाया जबकि काजोल डिसूजा ने भी 59वें और 66वें मिनट में दो गोल किए। अन्य गोल करने वाली खिलाड़ी संगीता बसफोर (51वें मिनट), सोरोखैबम रंजना चानू (54वें मिनट) और रिम्पा हलदर (62वें मिनट) रहीं। मालदीव के खिलाफ दूसरा और अंतिम मैत्री मैच दो जनवरी को यहीं खेला जाएगा। अलेक्जेंडरसन ने आठ खिलाड़ियों को पदार्पण का मौका दिया जिनमें से तीन ने आक्रमण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया करते हुए आठ गोल किए। यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भारतीय महिला टीम की सबसे बड़ी जीत में से एक है। टीम ने 2010 में बांग्लादेश में सैफ चैंपियनशिप में भूटान को 18-0 से हराया था।

साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाएं, धोखाधड़ी वाले खातों की पहचान में हो तेजी: आरबीआई रिपोर्ट

मुंबई: बढ़ते डिजिटल लेनदेन के बीच साइबर धोखाधड़ी के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और गड़बड़ी करने के इरादे से खोले गये खातों की पहचान करने के प्रयासों में तेजी लाने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार को जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट (एफएसआर) के दिसंबर संस्करण में कहा गया है कि डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ, साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं हाल के दिनों में बढ़ी हैं। इसमें नए-नए तरीकों का उपयोग किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ''इन धोखाधड़ी के कारण वित्तीय नुकसान के साथ लोगों को भावनात्मक स्तर पर काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए यह जरूरी है कि विनियमित संस्थान (आरबीआई के दायरे में आने वाले संस्थान) जनता को ऐसी धोखाधड़ी के बारे में सावधान करने के लिए व्यापक स्तर पर एहतियाती जागरूकता कदम उठाए। साथ ही फर्जीवाड़े के इरादे से खाले गये खातों (म्यूल एकाउंट) की पहचान के लिए प्रयासों को तेज किया जाए। 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति 2023-24' पर आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बैंक धोखाधड़ी मामलों की संख्या साल-ाना आधार पर बढ़कर 18,461 हो गयी। साथ ही इसमें शामिल राशि आठ गुना होकर 21,367 करोड़ रुपये पहुंच गयी। वहीं एक साल पहले 2,623 करोड़ रुपये के 14,480 मामले सामने आए थे।

ऑनलाइन पैसा भेजने में अब नहीं होगी गड़बड़ी, लाभार्थी के बैंक खाते के सत्यापन की मिलेगी सुविधा

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन पैसा अंतरित करने में होने वाली गड़बड़ी को रोकने के लिए कदम उठाया है। इसके तहत केंद्रीय बैंक ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम से एक ऐसी सुविधा विकसित करने को कहा है जिससे आरटीजीएस और एनईएफटी का उपयोग करने वाले ग्राहकों को उस बैंक खाते के नाम को सत्यापित करने की अनुमति मिल सके जिसमें पैसा भेजा जा रहा है। यह व्यवस्था एक अप्रैल, 2025 से प्रभाव में आएगी। रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक परिपत्र में कहा कि 'रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) यानी वास्तविक समय पर भुगतान से जुड़ी प्रणाली और 'राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण' (एनईएफटी) प्रणाली से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे एक अप्रैल, 2025 से पहले यह सुविधा प्रदान करें। वर्तमान में, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) व्यवस्था के तहत पैसा भेजने वालों को प्रक्रिया शुरू करने से पहले लाभार्थी के नाम को सत्यापित करने की सुविधा है। आरबीआई ने एक ऐसी ही सुविधा स्थापित करने का निर्णय लिया है। इससे आरटीजीएस या एनईएफटी प्रणाली का उपयोग करके लेनदेन शुरू करने से पहले पैसा भेजने वाले को लाभार्थी के बैंक खाते के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलेगी।

न्यूज अपडेट

सेबी फरवरी में नौ कंपनियों की 23 संपत्तियों की करेगा नीलामी

नयी दिल्ली: बग्योर ग्रुप ऑफ कंपनीज सहित कुल नौ कंपनियों की 23 संपत्तियों की नीलामी फरवरी में करने की सोमवार को घोषणा की। इसका मकसद निवेशकों से अवैध रूप से एकत्र की गई धनराशि की वसूली करना है। इनके अलावा जीबीसी इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, वारिस ग्रुप, पिनकॉन ग्रुप, कोलकाता वियर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (केडब्ल्यूआईएल), एनेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडिया, आई-कोर ग्रुप और एमपीएस ग्रुप अन्य कंपनियां हैं जिनकी संपत्तियां नीलाम की जाएंगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बाजार नियामक ने कंपनियों की परिसंपत्तियों की बिक्री की प्रक्रिया शुरू की है। इन संपत्तियों को बेचने और निवेशकों को पैसे लौटाने के लिए न्यायमूर्ति शैलेंद्र प्रसाद तालुकदार की एक सदस्यीय समिति बनाई गई है। यह कदम निवेशकों का पैसा वसूलने के सेबी के प्रयास का हिस्सा है। सेबी ने संपत्तियों की बिक्री में सहायता के लिए एड्वाइट टेक्निकल सर्विसेज को नियुक्त किया है। समिति की ओर से सेबी बोलीदाताओं से संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित कर रहा है। नियामक ने कहा कि नीलामी छह फरवरी, 2025 को अपराह्न 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।

अर्थव्यवस्था में 2025 में सुधार की संभावना: आरबीआई गवर्नर

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि 2025 में उच्च उपभोक्ता व कारोबारी विश्वास के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाएं बेहतर होने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक के वृद्धि के मुकाबले मुद्रास्फीति को प्राथमिकता देने को लेकर सरकार की आलोचना के बीच मल्होत्रा ने यह बात कही है। वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट की प्रस्तावना में मल्होत्रा ने लिखा, 'भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उच्च वृद्धि पथ को समर्थन देने के लिए वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने का प्रयास करने के साथ-साथ हमारा ध्यान वित्तीय संस्थानों की स्थिरता तथा अधिक व्यापक रूप से प्रणालीगत स्थिरता बनाए रखने पर भी है।' उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में गति पकड़ने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'वैश्विक वृहद-वित्तीय मोर्चे पर छाई अनिश्चितताओं के बावजूद 2024-25 की पहली छमाही में आर्थिक गतिविधि की गति में सुस्ती के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं में सुधार होने की उम्मीद है।' मल्होत्रा ने इस महीने की शुरूआत में 26वें गवर्नर के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्होंने कहा, 'आने वाले वर्ष के लिए उपभोक्ता व कारोबारी विश्वास ऊंचा बना हुआ है और निवेश परिदृश्य बेहतर है क्योंकि संगठन मजबूत बही-खाते तथा उच्च लाभप्रदता के साथ 2025 में प्रवेश कर रहे हैं।' वित्त मंत्रालय ने नवंबर के मासिक आर्थिक सर्वेक्षण में पहली छमाही में वृद्धि में नरमी के मुद्दे को उठाते हुए चिंता जाहिर की थी कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जाना चाहिए कि संरचनात्मक कारकों ने भी पहली छमाही में सुस्ती को बढ़ाया है।

अदाणी की सात कंपनियों के शेयर चढ़े

नयी दिल्ली: अदाणी समूह की बीएसई में सूचीबद्ध सात कंपनियों के शेयरों में सोमवार को तेजी रही। शेयर बाजार में कमजोर रुख के बावजूद बीएसई पर अदाणी टोटल गैस का शेयर 11.20 प्रतिशत चढ़ा। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 7.65 प्रतिशत, अदाणी पावर में 6.46 प्रतिशत, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 2.31 प्रतिशत, एनडीटीवी में 0.28 प्रतिशत और सांघी इंडस्ट्रीज में 0.05 प्रतिशत की तेजी रही। हालांकि, अदाणी पोर्ट्स के शेयर में 0.93 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 0.55 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 0.17 प्रतिशत और एसीसी में 0.05 प्रतिशत की गिरावट आई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 450.94 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,248.13 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 168.50 अंक या 0.71 प्रतिशत फिसलकर 23,644.90 अंक पर रहा। अदाणी समूह ने सोमवार को अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी अदाणी विल्मर से बाहर निकलने की घोषणा की। उद्योगपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाला समूह अपनी पूरी हिस्सेदारी सिंगापुर की भागीदार कंपनी विल्मर इंटरनेशनल और खुले बाजार में दो अरब डॉलर से अधिक में बेच रहा है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बयान में कहा, वह 31.06 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर इंटरनेशनल को बेचेगी। साथ ही न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में बेचेगी। संयुक्त उद्यम में अदाणी विल्मर की हिस्सेदारी 43.94 प्रतिशत है। समूह 31.06 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर को 12,314 करोड़ रुपये (305 रुपये प्रति शेयर के भाव पर) पर बेचेगा।

बड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली, कमजोर वैश्विक रुख से सेंसेक्स 451 अंक लुढ़का

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स लगभग 451 अंक लुढ़क गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी, वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख तथा एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 450.94 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,248.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 621.94 अंक लुढ़क गया था। सेंसेक्स गिरावट के साथ खुला। लेकिन दोपहर कारोबार में नुकसान की भरपाई कर 79,092.70 के उच्चस्तर पर पहुंच गया। लेकिन प्रमुख कंपनियों में बिकवाली से यह तेजी कायम नहीं रह पायी और सेंसेक्स नुकसान में बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 नुकसान में, जबकि सात लाभ में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 168.50 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,644.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, एचडीएफसी बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में जोमैटो, टेक महिंद्रा, एच-सीएल टेक और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा,'सप्ताह के साथ बाजार की शुरुआत उतार-चढ़ाव के साथ हुई। अंत में यह आधा प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी कारोबार के पहले चरण में लाभ में रहा लेकिन बाद में बिकवाली दबाव से यह नीचे आ गया।' छोटी कंपनियों के शेयरों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.47 प्रतिशत नीचे आया जबकि मझोली कंपनियों का सूचकांक बीएसई मिडकैप 0.13 प्रतिशत चढ़ा।

कर चोरी का पता लगाने के लिए डिजी यात्रा के आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं: आयकर विभाग

नयी दिल्ली: आयकर विभाग ने सोमवार को स्पष्ट किया कि वह कर चोरी करने वालों पर नकेल कसने के लिए डिजी यात्रा के आंकड़ों का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट में उन खबरों का खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि कर चोरी करने वालों पर नकेल कसने के लिए डिजी यात्रा के आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाएगा। पोस्ट में कहा गया, 'इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि आज की तारीख तक आयकर विभाग ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है।' चेहरे की पहचान तकनीक (एफआरटी) पर आधारित डिजी यात्रा की मदद से हवाई अड्डों के विभिन्न जांच बिंदुओं पर यात्रियों को संपर्क रहित, निर्बाध आवाजाही की सुविधा मिलती है। डिजी यात्रा के लिए यात्री जो डेटा साझा करते हैं, उसे एन्क्रिप्टेड प्रारूप में संग्रहीत किया जाता है। डिजी यात्रा का प्रबंधन डिजी यात्रा फाउंडेशन द्वारा किया जाता है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4105 अंक 255, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in